मास्क भी वैक्सीन - मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

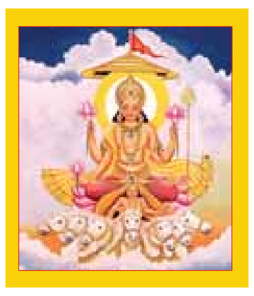

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

माघ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वितीया, संवत 2078 पृष्ठ : 8 मूल्य ₹ 5/- जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-47 19 जनवरी - 25 जनवरी, 2022 वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

रिश्वत तेरे रूप अनेक!

सटीक

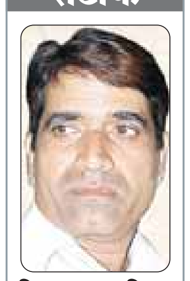

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

एक कहावत है जिसे मौके-बे-मौके किसी को भी कहते सुना जा सकता है। रिश्वत भी गिरगिट की तरह रंग बदलती रहती है। समय और परिस्थिति के अनुसार रिश्वत भी रंग बदलती रहती है। रिश्वत को कभी सहायता के रूप में तो कभी प्रोत्साहन के रूप में तो कभी सुविधा शुल्क तो कभी शुद्ध रिश्वत के रूप में दिया और लिया जाता है। समाचारों में कई बार सामने आता है कि सरकारी कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़ा गया और नौकरी से भी हाथ धो बैठा। कई ठेकेदार रिश्वत के बलबूते घटिया निर्माण का बिल भी उठा लेते हैं। रिश्वत में वो ताकत है कि घटिया भी सही प्रमाणित हो जाता है। राजनीति में भी चुनाव लड़ने वाला प्रत्याशी खोटा होने पर भी रिश्वत के बल पर खरा साबित हो जाता है। राजनीतिक पार्टियों द्वारा चुनावों के समय वोट लेने के लिए कभी लैपटॉप, साइकिल स्कूटी, फ्री की बिजली, बैंकों का लोन माफ कर देना आम बात है। क्या इसे रिश्वत नहीं कह सकते। ऐसी घोषणाओं से क्या निष्पक्ष चुनाव हो सकते हैं। चुनाव आयोग को इस ओर जरूर संज्ञान लेना चाहिए। सरकार के पास काम करने के लिए पूरा समय होता है उस समय योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य किए जा सकते हैं। मगर ऐन चुनाव के समय ये फ्री, वो फ्री, ये सहायता, वो सहायता की घोषणाएं होती रहती हैं। आम जनता की गाढ़ी कमाई जो टैक्स के रूप में विकास कार्यों के लिए दिया जाता है, फ्री में निठल्ले लोगों के लिए चला जाता है। ऐसे निठल्ले लोग फ्री के चक्कर में बैंक के लोन नहीं चुकाते, काम नहीं करते, अपनी जिम्मेदारियों से दूर भागते हैं और फ्री के चक्कर में कई बुरे ऐब भी लगा लेते हैं। अनाज फ्री में, बिजली फ्री में, सामाजिक सुरक्षा के नाम पर पेंशन फ्री में मिलती रहती है तो फिर वो काम क्यूं करेंगे। दो रुपए किलो गेहूं, चार रुपए किलो दाल, एक रुपए किलो चावल मिलता रहता है। ऐसे में निठल्ले शराबी की पत्नी और बच्चे फ्री का सामान लेने के लिए लाइनों में लगे रहते हैं और घर का मुखिया शराब पीकर नालियों में पड़ा रहता है। ऐसे लोगों के वोटों के बूते नाकारा लोग भी चुनाव जीत जाते हैं और फिर वे भी अपनी जेबें भरने के लिए ऐसे ही उल्टे-सीधे हथकंडे अपनाते हैं। होना तो यह चाहिए कि जनता की गाढ़ी कमाई से रोजगारोन्मुखी कल-कारखाने खोले जाने चाहिए ताकि रोजगार उपलब्ध हो। विकास कार्यों जैसे रेल, सड़क, बांध, बिजली उत्पादन आदि इकाईयां लगाई जानी चाहिए। चुनाव आयोग को वोट के लिए की जाने वाली फ्री की घोषणाओं पर रिश्वत समझ कर रोक लगाने का कोई रास्ता ढूंढ़ना होगा, तभी निश्चित रूप से निष्पक्ष और सही प्रत्याशी का चुनाव हो पाएगा।

shivdayalmishra@gmail.com

तीन इलाकों पर ठोका दावा

नेपाल ने भारत को अपने ही इलाके में रोड बनाने से रोका

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद एक बार फिर से सुर्खियों में है। दरअसल उत्तराखंड के लिपुलेख में भारत की सड़क लंबी करने की घोषणा को लेकर नेपाल ने भारत को चेतावनी जारी करते हुए इसे तुरंत रोकने को कहा है। नेपाल उत्तराखंड स्थित लिपुलेख को अपना इलाका बता रहा है। भारत, नेपाल और चीन की सीमा पर मौजूद 338 वर्ग किलोमीटर में फैला यह इलाका गुजरात की राजधानी गांधीनगर से भी बड़ा है।

भारत, नेपाल और चीन सीमा से लगे इस इलाके में हिमालय की नदियों से मिलकर बनी एक घाटी है, जो नेपाल और भारत में बहने वाली काली या महाकाली या शारदा नदी का उद्गम स्थल है। इस इलाके को कालापानी भी कहते हैं।

अंग्रेजों और नेपाल के गोरखा राजा के बीच 1816 में हुए सुगौली समझौते में काली नदी के जरिए भारत और नेपाल के बीच सीमा का निर्धारण किया गया था।

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

ASTROLOGY PREDICTIONS
AND VASTU CONSULTATION
ACCURATE
ASTROLOGY
PREDICTIONS
VASTU FOR
HOME&OFFICE
CALL FOR APPOINTMENTS
OR WHATSAPP
+918097456862

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

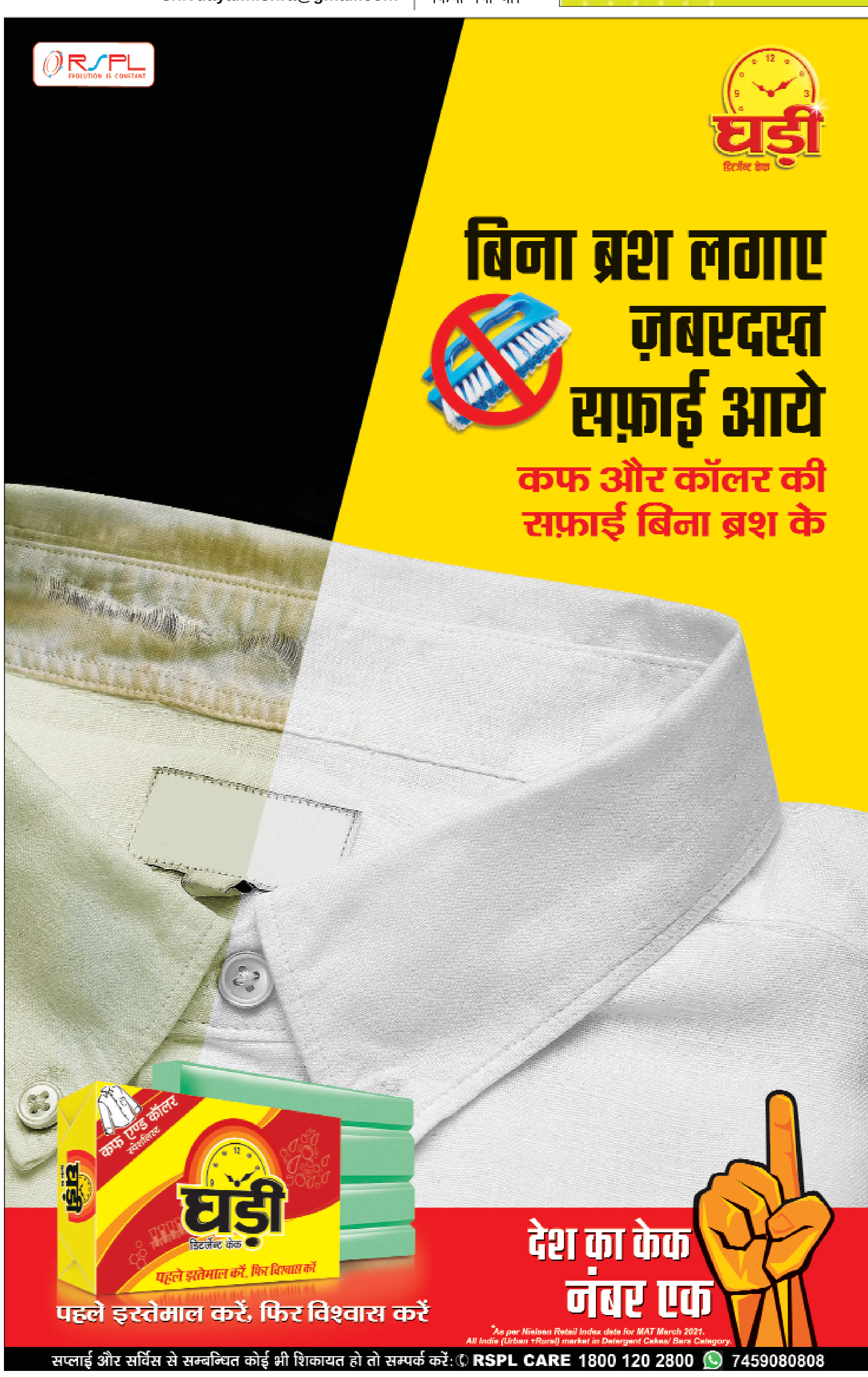

jagrukjanta.net

जागरूक सिटी

Jagruk City

जागरूक जनता • जयपुर, बुधवार, 19 जनवरी - 25 जनवरी, 2022 • पेज 02

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	19°C	07°C
जोधपुर	24°C	09°C
अजमेर	20°C	08°C
उदयपुर	23°C	09°C

सूर्योदय ▸ प्रात: 07:24 बजे सूर्यास्त ▸ सांय : 05:43 बजे चन्द्रोदय ▸ 07:01 बजे चन्द्रास्त ▸ 08:26 बजे

जागरूक खबरें

पौष बड़ा प्रसादी का लगाया भोग

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री चमत्कारेश्वर महादेव मन्दिर जगदंबा कॉलोनी नया खेड़ा द्वारा पोसबड़ा दोना प्रसादी का आयोजन किया गया। पंडित जी ने भोलेनाथ की आरती कर पौषबड़ा का भोग लगाया। काफी संख्या में कॉलोनीवासियों ने भोलेनाथ का प्रसाद पोसबड़ा दोनों प्रसादी ग्रहण करी। चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर के अध्यक्ष भंवर सिंह शंकर सिंह नवरतन सिंह हेमंत सिंह भागीरथ सिंह राम सिंह प्रभु सिंह राजेंद्र शर्मा दुर्गा सिंह नगेंद्र सिंह रविश शर्मा सुभाष शर्मा विक्रम सिंह नरेंद्र सिंह अभिजीत सिंह भवानी सिंह आदि कई लोगों ने दोनों प्रसादी वितरण की।

भगवा रक्षा दल में पदाधिकारी नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल का विस्तार करते हुए राजूराम विश्नोई निवासी मंडाऊ जिला जैसलमेर को दल में जिला उपाध्यक्षक, प्रियंका खींचड़ निवासी कमावास जिला झुंझुनूं को विधि प्रकोष्ठ की जिला महासचिव, नरसिंह आत्माराम अग्रवाल देरासर, जोधपुर गमसैटेलाइट (अहमदाबाद) को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उपरोक्त जानकारी भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने एक विज्ञप्ति जारी कर दी। शर्मा ने आशा व्यक्त की है कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे और अगली सूचना तक अपने पद पर कार्यरत रहेंगे।

जांगीड़ शिवसेना राजस्थान में प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर @ जागरूक जनता। शिवसेना राजस्थान का विस्तार करते हुए रामअवतार जांगीड़ को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसकी जानकारी शिवसेना राजस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने एक विज्ञप्ति जारी कर दी। शर्मा ने आशा व्यक्त की है कि जांगीड़ पूरी निष्ठा के साथ अगली सूचना तक अपने पद पर कार्य करते रहेंगे।

विवाह के सीजन में कोरोना के डर से उत्साह कम

जनवरी-फरवरी में 17 और मई-जून में 27 शुभ मुहूर्त रहेंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मकर संक्रांति के साथ ही वैवाहिक आयोजनों की रोक का खरमास समाप्त हो गया है। शनिवार प्रदोष के दिन से ही शुभ कार्य शुरू हो गए हैं। हालांकि कोरोना का असर होने की वजह से सरकार ने विवाह समारोहों में मेहमानों की संख्या 100 से घटाकर 50 कर दी है। इसकी वजह से जनवरी व फरवरी में होने वाले वैवाहिक आयोजनों में लोगों के उत्साह में कमी आई है। सबसे अच्छे संकेत दूसरे वैवाहिक सीजन यानी अप्रैल, मई व जून में होने वाले वैवाहिक आयोजनों के लिए है जिस दौरान विवाह के सबसे ज्यादा शुभ मुहूर्त रहेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना की तीसरी लहर का असर मई और जून में कम हो जाएगा। पं. अक्षय शास्त्री के अनुसार वसंत पंचमी, अक्षय तृतीया और देवउठनी एकादशी के अबूझ मुहूर्त को मिलाकर शादियों के लिए इस साल पिछले साल से ज्यादा शुभ मुहूर्त रहेंगे। इस साल जनवरी में 3 और फरवरी में 8 विवाह मुहूर्त रहेंगे।

फिर अप्रैल में 6 दिन शादियों हो पाएंगी। वहीं, सबसे ज्यादा 15 विवाह मुहूर्त मई में और जून में 12 दिन रहेंगे। इसके बाद जुलाई में 5 दिन और नवंबर में 4 दिन और दिसंबर में 7 विवाह मुहूर्त रहेंगे। गुरु अस्त होने से पहले विवाह सीजन के बाद 22 फरवरी तक शादियां हो पाएंगी। 23 फरवरी को गुरु अस्त हो जाने के बाद 17 अप्रैल से शादियों का सीजन शुरू होगा। जो कि 8 जुलाई तक रहेगा। फिर 10 जुलाई को देवशयन होने से चातुर्मास शुरू हो जाएगा और 20 नवंबर तक शादियों के लिए मुहूर्त नहीं रहेंगे। इसके बाद 21 नवंबर से 14 दिसंबर तक सिर्फ 9 ही विवाह मुहूर्त होंगे। माघ माह मंगलवार से, 16 फरवरी तक रहेगा माघ मास 18 जनवरी से 16 फरवरी तक रहेगा। पंडितों के अनुसार हिन्दू कैलेंडर में भी अंग्रेजी कैलेंडर की तरह 12 महीने होते हैं। हर महीने का अपना एक महत्व है। हिन्दी कैलेंडर के अनुसार माघ ग्यारहवां महीना होता है। माघ मास की पूर्णिमा को चंद्रमा मघा व अश्लेषा नक्षत्र में रहता है इसलिए इसे माघ मास कहा जाता है। माघ मास में सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है।

पूनियां के धरने में सामने आई बीजेपी की फूट

पूनियां बोले- सीएम गहलोत गृहमंत्री के तौर पर फेल

परनामी सहित कई प्रमुख नेता रहे नदारद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में बीजेपी की फूट एक बार फिर उजागर हो गई। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने जयपुर के जवाहर नगर में अलवर की नाबालिग बच्ची पर यौन हमले के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। जिसमें जयपुर शहर अध्यक्ष राघव शर्मा के अलावा कोई बड़ा चेहरा नजर नहीं आया। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी समेत राजे खेमे के कई प्रमुख बीजेपी नेता कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। दमदार चेहरे और आवाज वाला कोई नेता नहीं पहुंचा। तो बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां खुद ही पीड़ित बच्ची को न्याय दिलाने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नारे लगाते नजर आए। अलवर की मूक बधिर नाबालिग बच्ची पर यौन हमले के खिलाफ बीजेपी ने लगातार दूसरे दिन प्रदेश में जगह-जगह धरने प्रदर्शन दिए। मंडल लेवल पर हुए धरना प्रदर्शन के तहत बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने जयपुर के जवाहर नगर और श्योपुर में कार्यकर्ताओं के साथ धरना दिया।

स्वच्छता सर्वेक्षण प्रतियोगिता : रामबाग पैलेस होटल, वैशाली नगर व्यापार मंडल, हरबिंजर सोसायटी और पासपोर्ट कार्यालय रहे प्रथम

ग्रेटर निगम कैटेगरी वाइज आज करेगा पुरस्कृत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले होटल, अस्पताल, मार्केट एसोसिएशन, मोहल्लों, स्कूल, रेस्टोरेंट सहित सरकारी कार्यालयों को ग्रेटर नगर निगम बुधवार को स्वच्छता अवॉर्ड देगा। स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग में रामबाग पैलेस होटल, वैशाली नगर व्यापार मंडल, हरबिंजर हाइट्स वेलफेयर सोसायटी, पत्रकार कॉलोनी, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय झालाना, सुबोध स्कूल सहित अन्य ने प्रथम स्थान पाया है। साथ ही विभिन्न केटेगरी वाइज सैकेंड व थर्ड विजेताओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

दिसंबर में लिए थे आवेदन, एक्टिविटीज के जुड़ेंगे अंक

स्वच्छता सर्वेक्षण-2022 की प्रतियोगिता में शामिल करने के लिए ग्रेटर निगम ने दिसंबर में आवेदन लिए थे। इसके बाद इन संस्थानों व बाजारों का निरीक्षण कर सफाई व गीला-सूखे कचरे के निस्तारण की प्रक्रिया जांची थी। प्रतियोगिता में 200 संस्थान शामिल हुए थे। सफाई कर्मियों, एनजीओ को भी सम्मानित किया जाएगा। ग्रेटर निगम के हेल्थ डीसी मुकेश कुमार ने बताया कि विजेताओं को कमिश्नर व मेयर प्रशस्ति पत्र प्रदान करेंगे। फाइनल स्वच्छता सर्वेक्षण में सिटीजन एंगेजमेंट के तहत इसके 125 अंक जुड़ेंगे। इसके लिए निगम को एक्टिविटीज के डॉक्यूमेंट्स अपलोड करने होंगे। दो पार्षदों को भी अच्छे कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। मार्केट एसोसिएशन केटेगरी में द्वितीय बजाज नगर विकास समिति, तृतीय सद्भावना व्यापार मंडल मानसरोवर। मोहल्ला विकास समिति केटेगरी में द्वितीय आदिनाथ नगर विकास समिति मालवीय नगर, तृतीय नित्यानंद विकास समिति क्वींस रोड। हॉस्पिटल केटेगरी में प्रथम फार्टिस हॉस्पिटल, द्वितीय सीके बिरला व तृतीय महात्मा गांधी। स्कूल केटेगरी में प्रथम सुबोध स्कूल, द्वितीय ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल एकेडमी व तृतीय रुक्मिणी बिरला। ग्रेटर निगम मेयर शील धाभाई ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में केटेगरी वाइज प्रतियोगिता की गई थी। स्वच्छता प्रबंधन में जो विजेता रहे, उनहें बुधवार को प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। बेहतरीन काम करने वाले दो पार्षद भी सम्मानित होंगे। इसके स्वच्छता सर्वेक्षण-2022 में भी अंक जुड़ेंगे।

पुलिस मुख्यालय ने तैयार किया प्रस्ताव

पुलिस मुख्यालय में गठित की जाएगी प्रदेश स्तर की एसआईटी

मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए कसी कमर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में लगातार बढ़ रही मादक पदार्थ तस्करी रोकने के लिए अब पुलिस मुख्यालय में प्रदेश स्तर की एसआईटी गठित होगी। पुलिस मुख्यालय ने इसका प्रस्ताव तैयार किया है, जो शीघ्र सरकार को भेजा जाएगा। शुरुआत में आईजी स्तर के अधिकारी एसआईटी के हैड होंगे। उसके बाद एडीजी स्तर के पुलिस अधिकारी को हैड बनाया जाएगा। यह विंग केवल मादक पदार्थ तस्करों पर निगरानी रखेगी और सभी जिलों में टीमें काम करेंगी। पुलिस मुख्यालय स्तर पर अधिकारी प्रत्येक मादक पदार्थ तस्कर की गतिविधि पर निगरानी रखेंगे।

इस विंग के लिए पुलिस मुख्यालय ने प्रस्ताव तैयार कर लिया। सरकार से अनुमति मिलने के बाद टीम गठित की जाएगी। वर्तमान में प्रदेश के ज्यादातर जिलो में मादक पदार्थ तस्कर सक्रिय हैं, जो अलग-अलग राज्यों से भारी मात्रा में मादक पदार्थ लाकर प्रदेश में सप्लाई कर रहे हैं। ज्यादातर युवा मादक पदार्थ के नशों में लिप्त हो रहे हैं। इसलिए पुलिस मुख्यालय की तरफ से इसे रोकने के लिए एसआईटी बनाने का निर्णय लिया गया है।

गांजे से लेकर ब्राउन शुगर तक हर नशा, प्रदेश के जिलों सहित अन्य राज्यों से तस्करी

राजस्थान में वर्तमान में गांजा, अफीम, चरस, स्मैक, डोडा पोस्त, कोकिन, एमडी ड्रग, ब्राउन शुगर, कॉरडेक्स फास्फेट सीरप जैसे मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इनमें गांजा तस्करी ज्यादातर ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड से लाया जा रहा है। अफीम की चित्तौड़गढ़, झालावाड़, प्रतापगढ़ व एमपी से तस्करी। स्मैक झालावाड़ से और एमडी ड्रग्स हिमाचल से लाई जा रही है। पिछले साल राज्य में मादक पदार्थ तस्करों पर 2989 कार्रवाई कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए। इनमें ज्यादातर में चार्जशीट पेश। 800 प्रकरण अभी पेंडिंग चल रहे हैं।

> पिछले दो साल से तस्करी लगातार बढ़ रही है और प्रदेश का युवा वर्ग नशे में लिप्त हो रहा है। इसलिए मादक पदार्थ तस्करों पर लगाम लगाने और निगरानी रखने के लिए एसआईटी बनाई जा रही है। सरकार से अनुमति मिलने के बाद जल्द टीमों को गठन किया जायेगा।
>
> **- रवि प्रकाश मेहरडा,** एडीजी क्राइम

संस्कृत विवि का दीक्षांत समारोह ऑनलाइन 19 को

राजयपाल कलराज मिश्र 16 हजार 851 डिग्रियों का वितरण करेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विवि का चौथा दीक्षांत समारोह ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाएगा। बुधवार को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। इस दौरान जिसमे राजयपाल कलराज मिश्र 16 हजार 851 डिग्रियों का वितरण करेंगे। वहीं ऑनलाइन समाहरोह में मुख्य अतिथि संस्कृत शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला भी वर्चुअली शामिल होंगे। संस्कृत यूनिवर्सिटी के कौशलेन्द्र दास शास्त्री ने बताया कि कोरोना के बढ़ते हुए खतरे को देखते हुए दीक्षांत समारोह को ऑनलाइन मोड पर करवाने का फैसला लिया गया है।

राजस्थान के सभी संभागों में बारिश का अलर्ट, 22 को सबसे ज्यादा रहेगा असर, आज 7 जिलों में शीतलहर

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में शीतलहर और कोहरे के बीच 21 जनवरी से नया पश्चिमी विक्षोभ असर दिखाएगा और इसके चलते तीन दिन तक हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग की माने तो बारिश का सर्वाधिक असर 22 जनवरी को रहेगा, इस दौरान सभी सातों संभागों में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते ओलावृष्टि होगी या नहीं इसकी संभावना अगले 24 घंटों के भीतर पता चल जाएगी। तीन दिन तक मावठ होने से किसानों की फसलों को जमकर फायदा होने की उम्मीद है।

सातों संभागों में होगी बारिश

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक आर.एस. शर्मा ने बताया कि एक नया पश्चिमी विक्षोभ 21 जनवरी से उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित करेगा। ऐसे में राजस्थान में इस पश्चिमी विक्षोभ का असर 21 जनवरी की रात से दिखाई देगा और 22 जनवरी को असर सबसे अधिक रहेगा। बताया जा रहा है कि

प्रदेश में पहली बार आएगा कृषि बजट

फरवरी के अंतिम सप्ताह तक पेश होगा, अगले साल चुनावों को देखते हुए हो सकती है कई घोषणाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में कोरोना की पाबंदियों के बीच गहलोत सरकार ने बजट की तैयारियां शुरू कर दी है। विभागों में बजट को लेकर लगातार बैठकों का दौर जारी है। अगले साल चुनाव होने हैं। ऐसे में इस बार के बजट पर पहले से ज्यादा फोकस किया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए पहली बार कृषि बजट पेश किया जाएगा। इसी बजट में किसानों से संबंधित सारी योजनाओं की घोषणा की जाएगी।

पिछले बजट में ही गहलोत ने एग्रीकल्चर बजट अलग से पेश करने की घोषणा की थी। इसे किसानों को पक्ष में करने की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। अगले साल चुनाव कारण 2023 के बजट पर काम करने के लिए केवल छह महीने का ही वक्त मिलेगा। इसकी कमी इस बार के बजट में पूरी करने की तैयारी है।

गहलोत कह चुके, इस बार अच्छा बजट आएगा

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हाल ही एक कार्यर्क म में अच्छा बजट लाने की घोषणा कर चुके हैं। गहलोत ने कहा था कि कोरोना काल में वित्तीय हालात भले तकलीफ में आए, लेकिन, पिछली बार भी रेवेन्यू कम होने के बावजूद हमने किसी को महसूस ही नहीं होने दिया। हमने पिछली बार भी शानदार बजट पेश किया किया। इस बार भी उम्मीद है बजट अच्छा आएगा।

जिले और उपखंड की डिमांड को भी शामिल करने का फोकस

गहलोत सरकार के बजट में नई घोषणाओं की भरमार होने की संभावना है। जिलों और उपखंड मुख्यालय की डिमांड को बजट में शामिल करने पर फोकस होगा। ऐसे काम पर ज्यादा जोर हो सकता है, जिनमें बजट कम लगे लेकिन जनता के बीच इम्पैक्ट अच्छा हो। इस बार के बजट में जो भी घोषणा होगी, उनका अगले साल होने वाले चुनाव पर भी असर जरूर दिखेगा।

फरवरी के आखिर में आएगा बजट

विधानसभा का बजट सत्र फरवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में बुलाए जाने की तैयारी है। फरवरी आखिर में गहलोत सरकार बजट पेश करेगी। पिछले साल 24 फरवरी को बजट पेश किया था। इस बार भी फरवरी के आखिर में ही बजट पेश किए जाने की तैयारी है। हालांकि बजट की तारीख विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति की बैठक के बाद तय होगी।

ANCHOR सहूलियत

छोटे भूखंडों की बहु आवासीय इकाईयों के प्रोजेक्ट को अब ऑनलाइन करेगा जेडीए

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जेडीए अब छोटे भूखंडों पर अनुमति लेकर बहु आवासीय इकाइयों के प्रोजेक्ट को ऑनलाइन करेगा। ग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए जेडीए ने यह निर्णय लिया है। इस तरह का प्रयोग जेडीए पहली बार करने जा रहा है। अब तक जेडीए की वेबसाइट पर अवैध कॉलोनियों और सील इमारतों की सूची ही उपलब्ध है। साथ ही ग्रुप हाउसिंग के प्रोजेक्ट की जानकारी ही जेडीए की बेवसाइट पर उपलब्ध है। किस जोन में कितने छोटे भूखंडों पर बहु आवासीय प्रोजेक्ट चल रहे हैं, इनकी सूची आने वाले कुछ दिनों में वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। इसके अलावा प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग भी जेडीए के जोन कार्यालय की ओर से की जाएगी। जोन की टीम देखेगी कि अनुमति के हिसाब से निर्माण कार्य चल रहा है या नहीं। यदि निर्माण कार्य अनुमति के विपरीत चलता हुआ मिलेगा तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हर जगह चल रहे इस तरह के प्रोजेक्ट

- » शहर के बाहरी इलाकों में छोटे भूखंडों पर बहु आवासीय यूनिट के काम सर्वाधिक हो रहे हैं। राजधानी के पृथ्वीराज नगर क्षेत्र, जगतपुरा, खोह-नागोरियान के अलावा मालवीय नगर, प्रताप नगर में भी इस तरह के प्रोजेक्ट के काम चल रहे हैं।
- » पिछले एक से डेढ़ वर्ष की बात करें तो राजधानी में अवैध रूप से छोटे भूखंडों पर बनने वाले बहु आवासीय प्रोजेक्ट पर जेडीए की सख्ती से रोक लगी है। यही वजह है कि ऐसे प्रोजक्ट पर निर्माणकर्ता जेडीए अप्रूव्ड का बोर्ड लगवा रहे हैं।
- » मौजूदा स्थिति की बात करें तो राजधानी में 50 से अधिक छोटे भूखंडों परे बहु आवासीय प्रोजेक्ट चल रहे हैं। ये सभी जेडीए से अप्रूव्ड हैं।

अभी ये हाल

पिछले तीन वर्षों में बिल्डिंग बाइलॉज का उल्लंघन कर बनने वाली 84 इमारतों को सील किया। इनमें से 2020 में चार और 2021 में दो इमारतों को उच्च न्यायालय के आदेश से खोला गया। बाकी इमारतें अभी सील हैं। इनकी मौका स्थिति के लिए प्रवर्तन शाखा ने एक टीम गठित की है जो इनको चेक कर रही है। पहले चरण में इन तीन वर्षों में सील की गई इमारतों का मौका निरीक्षण किया जाएगा और दूसरे चरण में 2019 से पहले सील की गई इमारतों का मौका परीक्षण होगा।

ग्राहकों को मिलेगी सहूलियत

> ग्रुप हाउसिंग और बहु आवासीय फ्लैटों की सूची तो हम पहले से ही डालते हैं। अब जोन वाइज छोट भूखंडों पर स्वीकृत की जा रहीं बहु आवासीय इकाइयों की सूची भी जोन वाइज अपलोड करवाएंगे। ताकि, ग्राहक घर खरीदने से पहले देख सकें कि बिल्डिंग जेडीए अप्रूव्ड है या नहीं
>
> **-गौरव गोयल,** जेडीसी

राजभवन में अनुसूचित क्षेत्र में जनजाति विकास एवं कल्याण हेतु संचालित योजनाओं की प्रगति एवं समस्याओं को लेकर विशेष समीक्षा बैठक आयोजित

जनजाति बाहुल्य अनुसूचित क्षेत्रों का हो सर्वांगीण विकास-राज्यपाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने जनजाति बाहुल्य अनुसूचित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें तात्कालिक और दीर्घकालिक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों के सभी परिवारों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत प्रारम्भ कैशलेस उपचार की सुविधा का सुरक्षा कवच प्रदान किए जाने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत पंजीकरण कार्य में तेजी लाते हुए योजना से नहीं जुड़ पाए परिवारों को जल्द से जल्द पंजीकृत किए जाने पर भी जोर दिया।

मिश्र मंगलवार को राजभवन में अनुसूचित क्षेत्र में जनजाति विकास एवं कल्याण हेतु संचालित योजनाओं की प्रगति एवं समस्याओं के संबंध में विशेष समीक्षा बैठक में ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में वंचित समूहों को हर सम्भव सहायता प्रदान किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में विद्यार्थियों की कोचिंग, शिक्षा छात्रवृति समय पर मिले, इसकी व्यवस्था प्रभावी रूप में सुनिश्चित हो।

उन्होंने छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं भुगतान की ?सी आदर्श व पारदर्शी व्यवस्था अपनाए जाने पर जोर दिया जिसमें यथासंभव वित्त वर्ष समाप्त होने के साथ ही राशि विद्यार्थी के खाते में जमा हो जाए। उन्होंने कहा कि यदि आवेदन पत्र में कोई कमी या त्रुटि हो तो उसे निरस्त करने के स्थान पर उसकी पूर्ति करवा शीघ्र विद्यार्थी को लाभान्वित करने का प्रयास होना चाहिए। राज्यपाल ने अनुसूचित क्षेत्र में जनजातियों के समग्र विकास के लिए योजनाओं का व्यावहारिक क्रियान्वयन किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि नवाचार अपनाते हुए ऐसे स्थानों पर अधिकाधिक आदर्श गांव बने। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र के बालक-बालिकाओं को सीएसआर के तहत उच्च पदों पर चयन के लिए बेहतर से बेहतर कोचिंग सुविधा दिए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बजट घोषणा में जनजाति उपयोजना का जो 'राजस्थान पैटर्न' लागू हुआ है, उसमें इस तरह से कार्य हो कि वह दूसरे राज्यों के लिए भी अनुकरणीय हो।

उन्होंने अनुसूचित क्षेत्र के 5 हजार 696 गावों में से 49 गाँवों को मॉडल विलेज बनाने के बारे में जिलेवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों के छात्रावासों में स्वच्छता की प्रभावी व्यवस्था के साथ वहां रहने की अच्छी सुविधाओं का विकास किए जाने के भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श गावों की प्रगति की मासिक सूचना राजभवन को मिले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस सम्बंध में को लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

राज्यपाल ने 'जलजीवन मिशन' योजना के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र के सभी घरों को जल्द से जल्द कनेक्शन से जोड़कर स्वच्छ जल मुहैया कराने के निर्देश दिए। उन्होंने माही बेसिन क्षेत्र में प्रति वर्ष व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को संचित करने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर कृषि, उद्योग एवं रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे और आदिवासियों के द्वारा पलायन के मामलों में भी कमी आएगी।

मिश्र ने कहा कि आदिवासी बाहुल्य अनुसूचित क्षेत्र रोजगार एवं विकास की दृष्टि से तो पिछड़े हैं पर वहां प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों में आम, सीताफल, खजूर, बांस, मक्का, एलोवेरा आदि के उत्पादन को प्रोत्साहित कर उन पर आधारित प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित कर आदिवासियों के विकास एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में सर्वाधिक उत्पादित फल या फसल को चिन्हित कर उन पर आधारित उद्योग, मूल्य संवधत गतिविधियों व प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की जाए। इससे आदिवासियों को आय एवं आजीविका के अच्छे अवसर उपलब्ध होंगे। राज्यपाल ने आदिवासी क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में सोलर लाइट्स की स्थापना जल्द से जल्द किए जाने, आदिवासी क्षेत्रों में विकास के लिए आवंटित राशि का समयबद्ध उपयोग कर लक्षित वर्ग को योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

रीट पात्रता प्रमाण पत्र हुए जारी

32 हजार शिक्षकों की भर्ती में शामिल हो पाएंगे कैंडिडेट

11 लाख अभ्यर्थियों का इंतजार हुआ खत्म

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के 11 लाख से ज्यादा रीट अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हो गया है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने रीट अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र जारी कर दिए हैं। बोर्ड ने प्रदेशभर में 11 लाख से अधिक लेवल वन और लेवल 2 अभ्यार्थियों के पात्रता प्रमाण पत्र जिला स्तर पर भेज दिए हैं। जिन्हें आज से पात्र अभ्यर्थी विद्यार्थी सेवा केंद्र से ले सकेंगे।

परिजन भी ले सकेंगे प्रमाण पत्र

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से जारी प्रमाण पत्र लेने में अगर कोई विद्यार्थी असमर्थ है। तो वह अपने आवेदन पत्र में अधिकृत व्यक्ति को मूल दस्तावेजों के साथ भी प्रमाण पत्र लेने भेज सकता है। इसके लिए विद्यार्थी की आईडी की फोटो कॉपी और रीट प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी ले जाना जरूरी होगा। इसके लिए सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक पात्रता प्रमाण पत्र अभ्यर्थी के मूल जिले में वितरित किये जायगे।

32 हजार पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू

32 हजार पदों पर भर्ती के लिए 10 जनवरी से 9 फरवरी तक आवेदन भरे जाएंगे, इसलिए अभ्यर्थियों को रीट के प्रमाण-पत्रों की जरूरत पड़ेगी। भर्ती प्रक्रिया के दौरान एक से अधिक पद की योग्यता या पात्रता होने पर अभ्यर्थी को अलग-अलग आवेदन करना होगा। वहीं ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन के दौरान गैर अनुसूचित क्षेत्र के विज्ञप्ति पदों के लिए अनुसूचित क्षेत्र सहित पूरे राजस्थान और राजस्थान के बाहर के अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकेंगे, जबकि अनुसूचित क्षेत्र के विज्ञप्ति पदों के लिए सिर्फ राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र के मूल अभ्यर्थी ही आवेदन कर पाएंगे।

अभ्यर्थी हुए थे परेशान

दरअसल, रीट का रिजल्ट जल्दी जारी होने से बीएड सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहे करीब एक लाख अभ्यर्थियों के सामने शिक्षक भर्ती से बाहर होने का खतरा पैदा हो गया था। भर्ती के लिए सरकार ने शर्त रखी थी कि उनके पास रीट के परिणाम की तारीख तक बीएड की डिग्री होनी चाहिए। हालांकि समय रहते सरकार ने यह मामला संभाल लिया था और उनको शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि तक बीएड की डिग्री प्राप्त करने की छूट प्रदान कर दी थी।

पदों की संख्या: 31 हजार सामान्य शिक्षा + 1000 विशेष शिक्षा

- » गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 सामान्य शिक्षा - 11500
- » गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 विशेष शिक्षा - 440
- » अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 सामान्य शिक्षा - 3500
- » अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-1 विशेष शिक्षा - 60
- » गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 सामान्य शिक्षा - 13420
- » गैर अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 विशेष शिक्षा - 455
- » अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 सामान्य शिक्षा - 2580
- » अनुसूचित क्षेत्र अध्यापक लेवल-2 विशेष शिक्षा - 55

यह रहेगा आवेदन शुल्क

- » सामान्य वर्ग, क्रीमीलेयर वर्ग के अन्य पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग व राज्य के बाहर के सभी अभ्यर्थी- 100 रुपए
- » राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थी- 70 रुपए
- » समस्त विशेष योग्यजन और राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहरिया वर्ग- 60 रुपए

रीट पात्रता के नियम

- » रीट भर्ती परीक्षा के अंकों का प्रतिशत रहेगा भर्ती के लिए आवेदन का आधार
- » सामान्य / अनारक्षित - 60 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)
- » अनुसूचित जनजाति (ST) - 55 (नॉन टीएसपी), 36 (टीएसपी)
- » अनुसूचित जाति (SC), ओबीसी, एमबीसी और आर्थिक कमजोर वर्ग - 55 अंक (नॉन टीएसपी और टीएसपी)
- » समस्त श्रेणी की विधवा और परित्यक्ता महिलाएं व भूतपूर्व सैनिक - 50 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)
- » दिव्यांग - 40 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)
- » सहरिया जनजाति - 36 अंक (टीएसपी और नॉन टीएसपी)

'जीरो हंगर' के लिए ठोस योजना एवं रणनीति के साथ कार्य करें -मुख्य सचिव

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने राज्य सरकार की हर व्यक्ति को गुणवत्तायुक्त भोजन मुहैया कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए 'जीरो हंगर' के लिए ठोस योजना एवं रणनीति के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। आर्य मंगलवार को यहां शासन सचिवालय में विश्व खाद्य कार्यक्र म (डब्ल्यूएफपी) के वर्ष 2023-27 के दौरान राज्य में खाद्य एवं पोषण के लिए किए जाने वाले कार्यों के संबंध में आयोजित वर्चुअल बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्य सचिव ने कहा कि देश-प्रदेश ही नहीं बल्कि दुनिया में कहीं भी किसी व्यक्ति को खाना नहीं मिलना अमानवीयता है। उन्होंने इसे चुनौती के रूप में लेते हुए समस्या के कारणों को पहचान कर कार्य करने को कहा। आर्य ने राजस्थान में इस संबंध में किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार हर व्यक्ति को गुणवत्तायुक्त खाना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना काल के दौरान 'कोई भूखा न सोए' के संकल्प के साथ इसकी प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित की। राज्य सरकार ने अभिनव पहल करते हुए 'इन्दिरा रसोई योजना' के माध्यम से शहरों में जरूरतमंद लोगों को बेहद कम कीमत पर गुणवत्ता वाला अनुदानित भोजन मुहैया कराना सुनिश्चित किया है।

नई रेंज व कमिश्नरेट प्रणाली इसी साल

तीसरा पुलिस कमिश्नरेट कोटा में होगा और अलवर पुलिस रेंज

जयपुर @ जागरूक जनता। शहरों की बढ़ती आबादी के बीच कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। जयपुर व जोधपुर के बाद कोटा में भी पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की जाएगी। ऐसे ही बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए अलवर में नई पुलिस रेंज बनेगी। पुलिस मुख्यालय इसका प्रस्ताव बना रहा है। हाल में सीएम अशोक गहलोत को डीजीपी एमएल लाठर द्वारा दिए गए पुलिस विजन-2030 में इसका उल्लेख है, हालांकि इसमें अलवर व कोटा का नाम नहीं है। लेकिन कोटा व अलवर की तरफ ऑर्गनाइज क्राइम ज्यादा होने के कारण कमिश्नरेट प्रणाली व रेंज बनाया जाना तय है। कोटा कमिश्नरेट बनने पर यहां के कुछ ग्रामीण थानों को भी इसके तहत लाया जाएगा। डीजीपी एमएल लाठर ने शहरों के नाम नहीं बताए लेकिन कहा कि एक शहर में कमिश्नरेट प्रणाली लागू करने और एक में नई रेंज नई बनाएंगे।

कमिश्नर प्रणाली से कोटा में....

पुलिस के अधिकार बढ़ जाएंगे। कानून व्यस्था के मुद्दों पर कमिश्नर निर्णय ले सकेगा। कलेक्टर के पास अटकी फाइलों की अनुमति का झंझट खत्म होगा। जिलाधिकारी के कई अधिकार पुलिस कमिश्नर के पास होंगे। कमिश्नर को ज्यूडिशियल पावर भी होती है। इस प्रणाली में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के लिए पुलिस ही मजिस्ट्रेट पावर का इस्तेमाल करती है।

क्या मिलेगा

पुलिस विजन के अनुसार डीआईजी व आईजी रैंक के अफसर को कमिश्नर पद पर लगाया जाएगा। दो डीसीपी, 11 एडिशनल डीसीपी, 12 एसीपी, 40 सीआई, 120 सब इंस्पेक्टर, 106 एएसआई, 331 हैडकांस्टेबल, 1405 कांस्टेबल व 150 ड्राइवर होंगे।

पुलिस रेंज से अलवर में...

जिला पुलिस, भिवाड़ी और दौसा जिले को शामिल किया जा सकता है। रेंज में एक आईजी रैंक के अफसर को नई रेंज संभालने का मौका मिलेगा। इससे पुलिस के आठ रेंज मुख्यालय हो जाएंगे।

जागरूक खबरें

भाजपा युवा मोर्चा देहात दक्षिण विस्तार के साथ पीपाड़ देहात मण्डल कार्यकारिणी गठित

पीपाड़ शहर /जोधपुर @ जागरूक जनता। विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही भाजपा ने युवा मोर्चा के विभिन्न पदो पर पीपाड़ देहात कार्यकारिणी की टीम गठित कर दी है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा हिमांशु शर्मा के निर्देशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष जोधपुर देहात दक्षिण जगराम विशनोई, भाजपा युवा मोर्चा के दक्षिण देहात जिलाध्यक्ष अरविंद बर्रा, पीपाड़ देहांत मंडल अध्यक्ष बक्साराम कच्छावाह की सहमति से पीपाड़ देहात मण्डल युवा मोर्चा की कार्यकारिणी में विस्तार किया गया। भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष पीपाड़ देहात दुदा राम पुनिया ने बताया की दो उपाध्यक्ष पुखराज सुथार, प्रकाश विश्नोई, दो महामंत्री नवरत्न सिंह शेखावत, भुण्डाराम कासणिया, तीन मण्डल मंत्री नथमल सोनी, मनीष गिरी धर्मेंद्र शिवम, कोषाध्यक्ष अमित जोशी, सह कोषाध्यक्ष हंसराज वैष्णव, प्रवक्ता टीकम सिंह भाटी, मीडिया प्रभारी कुलदीप सिंह राजपुरोहित, कार्यालय प्रभारी त्रिलोक रतन भींचर, सह कार्यालय प्रभारी गणेश देवासी, महिला सदस्य संजु अनिल सैन साहित तीन मण्डल सदस्य रामेश्वर टाक, प्रदीप सिंह चारण को बनाए। इनकी पार्टी के प्रति सेवा, निष्ठा को देखते हुए विभिन्न पदो पर नियुक्त किया गया। जोधपुर देहात दक्षिण के अध्यक्ष बर्रा ने घोषणा करते हुए कहा कि जिस प्रकार भाजपा झंडा है, उसी प्रकार युवा मोर्चा उसका डंडा है। उन्होंने कहा कि यह पद नहीं बल्कि एक दायित्व है, जिसका निर्वहन ईमानदारी से करें। कार्यकारिणी विस्तार के दौरान जोधपुर में रणजीत कड़वासरा, पूर्व प्रदेश मंत्री कालू सिंह गड़ा, जिला मंत्री मदरूप खोजा, पूर्व जिला मंत्री पृथ्वीराज खोखर, भाजपा युवा नेता पीयूष शर्मा पार्षद पीपाड़ शहर उपस्थित रहे।

योजनाओं का धरातल पर क्रियान्विति के लिये फोकस होगा

राजन विशाल ने संभाला जयपुर जिला कलक्टर का पदभार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजन विशाल ने जयपुर में जिला कलक्टर का पदभार संभाला। विशाल जयपुर जिले के 50 वें जिला कलक्टर है। विशाल ने इस मौके पर संबोधित करते हुए कहा कि जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं उनके कार्यों को पूरी पारदर्शिता से पूरा करना उनकी प्राथमिकता होगी। राज्य सरकार की योजनाओं का धरातल पर क्रियान्विति के लिये उनका फोकस रहेगा। कोरोना के संबंध में राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग के दिशा निर्देशों की पालना पर भी उनका जोर रहेगा। विशाल ने जिला कलक्ट्रेट सभागार में कलेक्ट्रेट कर्मचारी यूनियन की ओर से रखे गए उनके स्वागत कार्यक्रम में सभी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि टीम वर्क के साथ जयपुर जिले के लिये कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सभी का सामूहिक रूप से योगदान आवश्यक है। इसी से हम जयपुर जिले में कोरोना नियंत्रण के साथ अन्य चुनौतियों का भी मुकाबला कर सकेंगे। निवर्तमान जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने भी सभी कर्मचारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए जिले में कोरोना से बचाव एवं अन्य कार्यो की गति पूर्व की भांति बनाये रखने की आशा व्यक्त की। कर्मचारी यूनियन द्वारा विशाल और नेहरा का साफा पहनाकर और पुष्प गुच्छ भेट कर अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम श्री इकबाल खान, द्वितीय राजेन्द्र सिंह चारण, तृतीय अशोक शर्मा, चतुर्थ शंकर लाल सैनी, ईस्ट राजीव पाण्डेय, नॉर्थ बीरबल सिंह, जिला कलक्ट्रेट कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष अमित जैमन, महासचिव प्रदीप सिंह राठौड़ सहित सभी अधिकारी एवं कर्मवारी उपस्थित थे।

ANCHOR **ब्यूरोक्रेसी में बदलाव**

15 दिन में नए मुख्य सचिव के साथ फिर फेरबदल संभव

राजन विशाल बने जयपुर कलेक्टर

कैलाश मीणा गृह व जोगाराम एलएसजी सचिव, अंतर सिंह होंगे नए श्रम आयुक्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने रविवार रात 52 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं, लेकिन इनमें एक भी एसीएस स्तर के अधिकारी नहीं है। वैसे भी सचिवालय में 4 ही आईएएस रह गए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अगले महीने की पहली तारीख को नए सीएस मिल रहे हैं। ऐसे में नए सीएस की नियुक्ति के साथ ही और तबादले किए जा सकते हैं। सरकार ने 23 जिलों में नए कलेक्टर लगाए हैं। लेकिन, विवादों में आए अलवर कलेक्टर नन्नूमल पहाड़िया को बरकरार रखा गया है। राजस्थान सरकार ने जयपुर और जोधपुर सहित 22 जिलों के कलेक्टर बदल दिए हैं। 52 आईएएस के तबादलों का आदेश कार्मिक विभाग ने जारी किया।मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव राजन विशाल का तबादला जयपुर कलेक्टर के पद पर किया गया है। जयपुर जिला कलेक्टर अंतर सिंह नेहरा का तबादला श्रम विभाग के कमिश्नर पद पर किया गया है।

अलवर जिला कलेक्टर नन्नूमल पहाड़िया को नहीं बदला गया है। उन्हें बदलने की चर्चाएं चल रही थीं।अलवर में नाबालिग मूक बधिर बच्ची से रेप और यौन हमले के मामले ने तूल पकड़ लिया है। देशभर में मामले पर सियासत गरमाई हुई है। अलवर जिला कलेक्टर पर छात्राओं को धमकाने और उनके पेरेंट्स के फोन नम्बर मांगने के भी आरोप बीजेपी ने लगाए हैं। अलवर कलेक्टर का तबादला नहीं करने के पीछे रणनीतिक वजह बताई जा रही है। बताया जाता है कि सरकार अभी उनका तबादला करती तो सीधे तौर पर रेप केस से जोड़कर इसे देखा जाता। इसलिए तबादला नहीं किया गया। अलवर कलेक्टर प्रमोटी ह्रस हैं, जबकि इस जिले में अब तक डायरेक्ट ह्रस बने अफसर ही कलेक्टर बनाए जाते रहे हैं। अलवर एनसीआर में आने वाला राजस्थान का जिला है।

जयपुर जिला कलेक्टर अंतर सिंह नेहरा श्रम विभाग में बने कमिश्नर

मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव राजन विशाल का तबादला जयपुर कलेक्टर के पद पर किया गया है। जयपुर जिला कलेक्टर अंतर सिंह नेहरा का तबादला श्रम विभाग के कमिश्नर पद पर किया गया है। पाली के जिला कलेक्टर अंशदीप को अजमेर का जिला कलेक्टर बनाया गया है। लक्ष्मण सिंह कुड़ी को झुंझुनूं कलेक्टर और राजेन्द्र सिंह शेखावत को करौली कलेक्टर लगाया गया है। भगवती प्रसाद कलाल को सिरोही से हटाकर बीकानेर का जिला कलेक्टर बनाया गया है। ताराचंद मीणा को उदयपुर, हरिमोहन मीणा को कोटा, नरेन्द्र गुप्ता को बारां, रूक्मणि रियार को श्रीगंगानगर, सिद्धार्थ सिहाग को चूरू, हिमांशु गुप्ता को जोधपुर, नमित मेहता पाली कलेक्टर बने हैं। आलोक रंजन का भरतपुर, अरविन्द कुमार पोसवाल का नागौर, शुभम चौधरी का डूंगरपुर, सुरेश कुमार ओला का सवाईमाधोपुर, कमर उल जमान चौधरी का दौसा, डॉ भंवर लाल का सिरोही, आशीष मोदी का भीलवाड़ा, पीयूष सामरिया का चित्तौड़गढ़, नीलाभ सक्सेना का राजसमंद और डॉ प्रतिभा सिंह का जैसलमेर जिला कलेक्टर पद पर तबादला किया गया है।

चेतन देवड़ा आबकारी आयुक्त होंगे, जोगाराम स्वायत्त शासन सचिव

आबकारी आयुक्त जोगाराम का तबादला स्वायत्त शासन विभाग में सचिव के पद पर किया गया है। उदयपुर कलेक्टर चेतन देवड़ा को आबकारी आयुक्त के पद पर पोस्टिंग दी गई है। जोगाराम अशोक गहलोत के पिछले राज में भी स्वायत्त शासन विभाग में रह चुके हैं।

3 सीनियर IAS अफसरों को एडिशनल चार्ज

अखिल अरोड़ा को वित्त, आबकारी और टैक्सेशन के अलावा सूचना-जनसम्पर्क विभाग के प्रमुख सचिव का एडिशनल चार्ज सौंपा गया है। नवीन महाजन को राजस्थान कर बोर्ड अध्यक्ष पद के साथ राज्य बुनकर संघ के एमडी का चार्ज भी सौंपा गया है। नरेश कुमार ठकराल को वित्त व्यय विभाग के सचिव के साथ ही युवा और खेल मामले विभाग के सचिव का भी एडिशनल चार्ज दिया गया है।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

प्रत्यारोपण पर बहस

विज्ञान की एक उपलब्धि लगातार सुर्खियों में है, तो इसका मतलब है कि इस बार हुआ आविष्कार मील का पत्थर है। पूरी दुनिया में चर्चा जारी है कि एक इंसान में सूअर का हृदय ठीक से काम कर रहा है। आनुवंशिक रूप से संव्द्धिधत सूअर से प्रत्यारोपित हृदय प्राप्त करने वाला पहला व्यक्ति बाल्टीमोर, मैरीलैंड में सही सलामत है। प्रत्यारोपण करने वाले सर्जनों को उम्मीद है कि और भी लोग पशु अंग लेने आगे आएंगे। हालांकि, नैतिकता और तकनीक के स्तर पर खूब बाधाएं हैं, जिन पर चर्चा तेज है। कुछ नैतिक चिंताएं तो फिजूल हैं। जैसे यह कतई विवाद का विषय नहीं है कि एक ऐसे व्यक्ति को हृदय लगाया गया है, जो कभी अपराधी था। विज्ञान में अक्सर ऐसे लोगों पर ही प्रयोग करना चाहिए, जिनका सामाजिक या दुनियावी मूल्य कम हो। विज्ञान यदि अपना कोई प्रयोग करना चाहता है और कोई दागी इंसान उस प्रयोग के लिए प्रस्तुत होता है, तो इसे नैतिक रूप से गलत नहीं मानना चाहिए। महत्व प्रयोग और उसकी कामयाबी का है। इंसान को स्वस्थ करने की ओर बढ़ने वाली कोई भी यात्रा अनैतिक नहीं हो सकती। अंग प्रत्यारोपण अनुसंधान में लगे वैज्ञानिकों को नैतिकता संबंधी सामान्य बंधनों से अलग रखना चाहिए।

दुनिया में बदलते मौसम, खान-पान के साथ बीमारियां भी लगातार बढ़ रही हैं, अंगों में समस्या भी लगातार बढ़ रही है। चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी संख्या में अंगों की जरूरत है। इंसानों से इंसानों को ज्यादा अंग नहीं मिल सकते, अतः यह कोशिश हो रही है कि अंगों के मामले में एक निकटतम जीव सूअरों को इस प्रकार से विकसित किया जाए कि उनके अंग मानव शरीर के अनुकूल हो जाएं। न्यूयॉर्क शहर में कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक सर्जन और इम्यूनोलॉजिस्ट मेगन साइक्स कहते हैं, 'इस मुकाम तक पहुंचने की राह लंबी रही है और यह बहुत रोमांचक है कि हम उस बिंदु पर हैं, जहां प्रयोग को साकार कर सकते हैं।' चालीस से अधिक बंदरों के साथ यह प्रयोग हो चुका है। इंसानों पर प्रयोग की यह अब तक की सबसे बड़ी सफलता है। दुनिया भर में चिकित्सक और मानव वैज्ञानिक दशकों से जानवरों के अंगों को इंसानों में प्रत्यारोपित करने के लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं, जिसको जेनोट्रांसप्लांटेशन कहा जा रहा है।

इधर, भारत में एक अलग तरह की चर्चा तेज है। असम के डॉक्टर धनीराम बरुआ ने 25 साल पहले 32 साल के एक व्यक्ति में सूअर का दिल प्रत्यारोपित किया था। हालांकि, वह मरीज सात दिन ही जीवित रहा। इस प्रयोग के लिए डॉक्टर बरुआ और उनके सहयोगी हांगकांग के सर्जन जोनाथन हो के-शिंग को चालीस दिन जेल में रहना पड़ा था। क्या हृदय प्रत्यारोपण का श्रेय डॉक्टर धनीराम को दिया जा सकता है? दरअसल, सूअर के अंगों को इंसानों के अंगों के अनुकूल बनाने के लिए चार-पांच तरह के जेनेटिक बदलाव किए गए हैं, इन बदलावों को संभव बनाने में अमेरिकी वैज्ञानिकों को दशकों लगे हैं। अतः वर्तमान प्रयोग की तुलना डॉक्टर धनीराम के प्रयोग से करना उचित नहीं है। कायदे से 25 साल पहले ही डॉक्टर धनीराम जैसे दुस्साहसी डॉक्टरों के साथ भारत को प्रयोग तेज करना चाहिए था। यदि भारत में अनुसंधान को आगे बढ़ाया गया होता, तो डॉक्टर धनीराम आविष्कार पर महज दावा नहीं कर रहे होते, साबित करके दिखा चुके होते।

सम्पादकीय

शीत का प्रकोप

उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में शीतलहर की स्थिति है। श्रीनगर में तापमान माइनस पांच डिग्री पर चल रहा है, तो शिमला में बर्फबारी की स्थिति है। राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के साथ दिल्ली भी कोहरे की चादर ओढ़े ठिठुर रही है। माउंटआबू में तापमान छह डिग्री सेल्सियस के आसपास महसूस हो रहा है, तो जयपुर में भी न्यूनतम तामपान दस डिग्री के नीचे ही है। पिछले चार दिनों से ठंड में इजाफा हुआ है और कई इलाकों में तो सूर्य दर्शन दुर्लभ है और जिन जगहों पर सूर्य दिखा भी है, वहां हवा चल रही है, बादलों की भी आवाजाही है। कुल मिलाकर, ठंड ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर रखा है। मौसम का मिजाज आसानी से समझ में नहीं आ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने जो भविष्यवाणी की है, वह भी बहुत स्पष्ट नहीं है। यह कह देना ही पर्याप्त नहीं कि आने वाले कुछ दिनों में ठंड से राहत मिलेगी। यह भी अनुमान है कि आगामी दो दिन तक ठंड का प्रकोप जारी रहेगा। आगे बीच-बीच में कुछ राहत का अनुमान है, लेकिन कुल मिलाकर ठंड से लोग सप्ताह या दस दिनों तक अपने घरों में दुबके रहने को मजबूर रहेंगे।

पहले यह माना जाता था कि सूर्य के उत्तरायण होने पर सर्दियों के दिन लदने लगते हैं, लेकिन यहां मकर संक्रांति के बाद भी ठंड कम होने के बजाय बढ़ती हुई महसूस हो रही है। आम तौर पर ऐसी शीत लहर की स्थिति दिसंबर के अंत या जनवरी की शुरुआत में बनती है, लेकिन आधी जनवरी बीतने के बाद भी शीत लहर का आलम चिंता बढ़ा रहा है। यह कोरोना की तीसरी लहर का भी समय है, शीत लहर से सर्दी-जुकाम-खांसी को और बल मिलेगा। मौसमी बीमारियों का प्रकोप प्रबल होगा, जिससे कोरोना की चिंता और बढ़ जाएगी। अतः यह बहुत जरूरी है कि लोग ठंड की मार से बचें और कम से कम मौसमी बीमारियों का आतंक नियंत्रण में रहे। यह डॉक्टरों व अस्पतालों के लिए चिंता का समय है। संभव है कि पश्चिमी विक्षोभ और बादलों की मौजूदगी घटने से राहत की स्थिति बने। ऐसे समय में हम क्या कर सकते हैं, यह हमें सोचना चाहिए। शीत लहर वाले प्रदेशों के स्थानीय प्रशासन को विशेष रूप से सचेत रहना होगा। जगह-जगह अलाव की व्यवस्था, रैन बसेरों की सुविधा को चाक चौबंद करना होगा। गांवों और शहरों में गरीब या बेघर लोगों पर निगाह रखने का समय है। जहां स्थानीय प्रशासन सजग है, वहां गरीब-बेघर लोगों को अब तीन वक्त भोजन दिया जा रहा है। ध्यान रहे, ठंड तभी जानलेवा बनती है, जब कोई भोजन से वंचित होने लगता है। स्थानीय निकाय, स्थानीय प्रतिनिधि, पंचायतों को पूरी तरह से सजग रहना चाहिए कि शीत लहर में किसी की जान न जाए। यह यथोचित शारीरिक दूरी रखते हुए सामाजिकता निभाने का समय है। दूसरी ओर, संभव है कि यह जलवायु परिवर्तन का असर हो। लेकिन ज्यादा चिंता प्रदूषण को लेकर है। हमारे महानगरों में हवा की गुणवत्ता अभी भी बहुत खराब है। सोमवार को भी राजधानी में वायु की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज हुई है। वायु प्रदूषण कम करने पर अगर हम ईमानदारी से ध्यान दें, तो संभव है, सूर्य से बेहतर सहारा मिले।

आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट देश के अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इसके तहत भारतीय सेना के जवानों को कुछ विशेष अधिकार मिलते हैं और इन अधिकारों की आड़ में कई बार सेना के जवान अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं

'अफस्पा' को लेकर पूर्वोत्तर में फिर गुस्से की लहर

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

अब वक्त आ गया है कि केंद्र और राज्य सरकारों को खुले दिमाग से अफस्पा की उपयोगिता पर विचार करना होगा। अपने ही देश के लोगों के खिलाफ सुरक्षा बलों को असीमित अधिकार देने के कानून को आसानी से स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उत्तर पूर्व के राज्य नगालैंड में बीते साल 4 दिसंबर को सुरक्षा बलों की ओर से की गई गोलीबारी में 14 स्थानीय लोगों की मौत के बाद से एक बार फिर विवादित कानून आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट (एएफएसपीए-अफस्पा) को निरस्त करने की मांग उठने लगी है। इस कानून के विरोध में पिछले हफ्ते नगालैंड के लोगों ने 70 किलोमीटर लंबी पदयात्रा का आयोजन किया और देश-दुनिया का ध्यान इस तरफ खींचने का प्रयास किया। यह पदयात्रा पूरी ही हुई थी कि नगालैंड के पड़ोसी राज्य मणिपुर की सरकार ने अफस्पा को एक साल के लिए आगे बढ़ा दिया। नागालैंड में सुरक्षाबलों की फायरिंग में 14 लोगों की मौत के बाद से ही राज्य में माहौल बेहद तनावपूर्ण है। आम लोगों के साथ मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो भी केंद्र से अफस्पा हटाने की मांग कर चुके हैं। इसके समर्थन में विधानसभा में एक प्रस्ताव भी पारित किया जा चुका है। सुरक्षाबलों की फायरिंग में 14 लोगों के मरने की घटना भारत-म्यांमार सीमा से सटे ओटिंग गांव में हुई थी। उस समय भी लंबे अरसे तक लोग सड़कों पर उतर कर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। राज्य में अफस्पा के खिलाफ लगातार तेज होते विरोध को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने इस मुद्दे पर सिफारिश के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन कर दिया। इस समिति को 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। लेकिन इस बीच प्रदेश में इस कानून की मियाद और छह महीने के लिए बढ़ा दी गई और इसके बाद स्वाभाविक तौर पर लोगों में नाराजगी भड़क उठी।

बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी होगी कि 11 सितंबर, 1958 को बने सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) को पहली बार नगा पहाड़ियों में ही लागू किया गया था। वह उस समय असम का ही हिस्सा थीं। उग्रवाद के पांव पसारने के साथ इसे धीरे-धीरे पूर्वोत्तर के तमाम राज्यों में लागू कर दिया गया। आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट यानि अफस्पा (एएफएसपीए) को दरअसल सबसे पहले अंग्रेजों ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' को खत्म करने के लिए लागू किया था। आजादी के बाद तत्कालीन भारत सरकार ने इस एक्ट को जारी रखने का फैसला किया। 11 सितंबर, 1958 को अफस्पा एक कानून के रूप में लागू हो गया। आसान शब्दों में कहें तो ये कानून देश के अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है, इसके तहत भारतीय सेना के जवानों को कुछ विशेष अधिकार मिलते हैं। ये वहां लागू किया जाता है, जहां राज्य सरकार और पुलिस-प्रशासन कानून-व्यवस्था संभालने में नाकाम रहती है। इसके अलावा उन इलाकों में भी लगाया जाता है जहां पुलिस और अर्द्धसैनिक बल आतंकवाद, उग्रवाद या फिर बाहरी ताकतों से लड़ने में नाकाम साबित होती हैं।

सेना को मिलने वाली विशेष शक्तियां इस कानून के तहत सैनिकों को कई अधिकार प्राप्त होते हैं, जैसे- किसी को बिना वॉरंट गिरफ्तार करना और उसके घर में घसुने का अधिकार, पहली चेतावनी के बाद गोली चलाना, गोली चलाने के लिए किसी भी आदेश का इंतजार न करना, उस गोली से किसी की मौत होती है तो सैनिक पर हत्या का मुकदमा भी नहीं चलाया जा सकता। अगर राज्य सरकार या पुलिस प्रशासन, किसी सौनिक या सेना की टुकड़ी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करती है तो कोर्ट में उसके अभियोग के लिए केंद्र सरकार की इजाजत जरूरी होती है। इस विवादास्पद कानून के दुरुपयोग के खिलाफ बीते दो दशकों के दौरान तमाम राज्यों में विरोध की आवाजें उठती रहीं हैं। लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें इसे खत्म करने के वादे के बावजूद इसकी मियाद बढ़ाती रही हैं। इस कानून के खिलाफ सबसे बड़ा प्रदर्शन मणिपुर की मानवाधिकार कार्यकर्ता 29 वर्षीय लौह महिला इरोम शर्मिला की 16 साल (4 नवंबर 2000 से 9 अगस्त 2016 तक) लंबी भूख हड़ताल थी। इसके अलावा साल 2004 में 30 मणिपुरी महिलाओं ने निर्वस्त्र होकर इस कानून के खिलाफ अपना कड़ा विरोध जताया था। मणिपुर की महिलाओं ने इसी कानून के आड़ में मनोरमा नामक एक युवती की सामूहिक बलात्कार व हत्या के विरोध में बिना कपड़ों के सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किया था। उस तस्वीर ने तब पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी थीं। लेकिन मणिपुर में इसकी मियाद लगातार बढ़ती रही है। फिलहाल असम के अलावा नगालैंड और मणिपुर और अरुणाचल के कुछ इलाकों में अब भी यह कानून लागू है। अफस्पा के खिलाफ आवाज उठाने वाले संगठनों में से एक एक ईस्टर्न नगा स्टूडेंट्स फैडरेशन (ईएनएसएफ) के अध्यक्ष चिंगमाक चांग और सलाहकार वांग्सू अफस्पा का जिक्र करते हुए कहते हैं, 'जिस बच्चे (अफस्पा) का जन्म 1958 में हुआ था, उसे वर्ष 2022 तक एक ही कपड़ा पहने रहने की इजाजत नहीं दी जा सकती। अफस्पा और सैन्य बलों की मौजूदगी ही नगालैंड में अशांति की प्रमुख वजह है।'

इस कानून के विरोध की वजह इसका गलत इस्तेमाल है। यह कानून सुरक्षा बलों को असीमित अधिकार देता है और इन अधिकारों की आड़ में कई बार सेना के जवान अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं, जैसा कि 4 दिसंबर की घटना में हुआ। लिहाजा अब वक्त आ गया है कि केंद्र और राज्य सरकारों को खुले दिमाग से इस कानून की उपयोगिता पर विचार करना होगा। अपने ही देश के लोगों के खिलाफ सुरक्षा बलों को असीमित अधिकार देने के कानून को आसानी से स्वीकार नहीं किया जा सकता। शुरू में इसे पूर्वोत्तर के राज्यों में लागू किया गया था, बाद में पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भी इस कानून का उपयोग किया गया। इससे यह संदेश जाता है कि सरकार इस कानून का दायरा बढ़ाती जा रही है। आरोप है कि इस कानून का फायदा उठाकर फेक एनकाउंटर, टॉर्चर और रेप तक किया जाता है।

कविता

नियति नृत्य

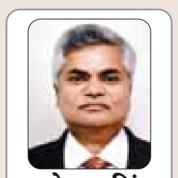

राजेश्वर सिंह
राजस्व मंडल के अध्यक्ष
@jagrukjanta.net

दुःख का दरिया,
सुख का सागर,
तेरी लीला
नटवरनागर ।
*****
सुख दुःख का
संगम
भी दिखता,
जाने अदृष्ट
क्या क्या लिखता।
****
सुख का अतिरेक, दुःखी मानव,
दुःख का अतिरेक, सुखी मानव।
****
बस दृष्टिकोण का अन्तर हैं,
सुख में दुःख का प्रत्यन्तर है।
****
समभाव साध्य है
जीवन में, स्थिरता हो
परिवर्तन में।
****
पर यह भी सहज नहीं मिलता,
जीवन में फूल नहीं खिलता।
****
स्थिति प्रतिकूल, प्रबल तन मन,
शंकित मन किन्तु सफलजीवन।
****
असहाय मनुज साहस असीम,
साधन समृद्ध पर मन से हीन।
****
संयोजन व्यक्ति परिस्थिति का,
दुर्बल या सबल मनः स्थिति का।।
****
सब नियति नटी का नृत्यगान।
समझे कोई सज्जन सुजान।।

ओपिनियन

मां और बच्चों के पोषण में जहां हो रही है गलती

शीला सी वीर
वरिष्ठ पोषण विशेषज्ञ
@jagrukjanta.net

नवंबर में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े भारत में कुपोषण की स्थिति में धीमी प्रगति के संकेत देते हैं। यह समस्या लगातार गंभीर बनी हुई है, और पांच वर्ष तक की उम्र का हर तीसरा बच्चा व हर पांचवीं महिला कुपोषित है। हर दूसरा शिशु, किशोर और महिला खून की कमी से ग्रसित है। यह स्थिति तब है, जब प्रसव-पूर्व देखभाल सहित मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, बाल टीकाकरण और दस्त प्रबंधन में सकारात्मक प्रगति हुई है। कुपोषण के अंतर्निहित कारकों को भी दुरुस्त करने की दिशा में उल्लेखनीय काम हुआ है।

तो फिर हमसे चूक कहां हो रही है? दरअसल, जीवन के शुरुआती 1,000 दिनों (270 दिन गर्भावस्था के और 730 दिन शून्य से 24 महीना के) में ये सकारात्मक रुझान नहीं दिखते। अपने यहां मातृ पोषण की कोई ठोस नीति नहीं है। हालांकि, साल 2000 से शिशु और छोटे बच्चे के दुग्धपान (आईवाईसीएफ) पर काम जरूर हो रहा है, लेकिन इसे बढ़ावा देना, जैसे कि पहले छह महीनों के लिए विशेष स्तनपान और प्रभावी नर्सिंग सुनिश्चित करना, इसके बाद स्तनपान के विकल्प के रूप में बच्चे को उपयुक्त हल्का ठोस भोजन देने संबंधी लोकाचार का आज भी अभाव है। आईआईटी, बॉम्बे में सीटीएआरए के रूपल दलाल द्वारा गुजरात के बनासकांठा जिले में किया गया अध्ययन बताता है कि प्रसव-पूर्व और प्रसव के बाद देखभाल के दौरान महिलाओं को अगर स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा स्तनपान व दुग्धपान के बारे में बताया जाता है, तो उसका फायदा होता है। ऐसी प्रशिक्षित माओं के केवल 9.8 फीसदी बच्चे शुरुआती छह महीने में कम वजन के पाए गए, जबकि अप्रशिक्षित माताओं में यह आंकड़ा 18.1 फीसदी था। एनएफएचएस-5 बताता है कि शिशुओं के हल्के ठोस आहार पर भी ध्यान देने की जरूरत है। अपने यहां छह महीने से ऊपर के 10 में से सिर्फ एक बच्चे को तय मानक के हिसाब से पर्याप्त आहार मिल पाता है।

अन्य एशियाई देशों में स्थिति लगभग पांच गुना बेहतर है। हमारे खराब प्रदर्शन की मुख्य वजह सूचना-प्रसार की कमी है। हालत यह है कि 20 फीसदी कुपोषित बच्चे धनाढ्य समुदायों से आते हैं। इसके अलावा, अधिक वजन वाली माओं वाले परिवारों में भी अक्सर कुपोषित बच्चे मिल जाते हैं। असल में, शिशुओं की देखभाल करने वालों को यह साफ-साफ पता ही नहीं होता कि छह महीने से अधिक उम्र के शिशु को क्या, कब और कितनी बार खिलाना है। इतना ही नहीं, उन्हें स्तनपान भी कराते रहना चाहिए। दुग्धपान के बारे में सटीक जानकारी न होने की सूरत में बच्चे में मोटापे, पोषक तत्वों की कमी और गैर-संक्रामक रोग की आशंका बढ़ जाती है। पर्याप्त आहार न मिलने के कारण शिशुओं को होने वाले नुकसान के बारे में माता-पिता अनभिज्ञ रहते हैं। घर में पकी दाल, दही, हरी सब्जियां, घी, अंडे आदि खिलाने के बजाय वे बच्चों के पैकेटबंद खाने पर रोजाना 25-30 रुपये खर्च करने पर गर्व महसूस करते हैं। यह धारणा आज भी कायम है कि छह से आठ महीने के बच्चे हल्के ठोस पदार्थ नहीं निगल सकते, इसलिए उनको खिचड़ी के बजाय अक्सर पानी वाली दालें पिलाई जाती हैं।

जाहिर है, स्वास्थ्यकर्मियों को सही समय पर उचित परामर्श देना होगा। फिलहाल, एक प्रमुख कार्यक्रम के तौर पर समन्वित बाल विकास योजना (आईसीडीएस) चल रही है, लेकिन यह माओं के लिए नहीं है। इसके विपरीत, सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में कम से कम 15 मौकों पर (गर्भावस्था की शुरुआत से लेकर बच्चे के 16 महीने की उम्र तक) उनका मां से वास्ता पड़ता है, और यह पोषण कार्यक्रमों को भी प्रभावित कर सकता है। ऐसे में, जरूरी है कि वैकल्पिक पोषण तंत्र पर काम किया जाए। नीति-निर्माताओं को पता करना चाहिए कि क्या आईसीडीएस के बजाय नियमित स्वास्थ्य प्रणाली को पोषण कार्यक्रमों में हस्तक्षेप का अधिकार दिया जाना चाहिए? अगर दोनों के मानव संसाधनों को एक कर दिया जाए, तो मातृ-बाल पोषण व स्वास्थ्य सेवा कार्यबल को मजबूती मिलेगी। यह प्रयास बाल मृत्यु-दर भी कम कर सकता है, क्योंकि भारत में पांच वर्ष तक के बच्चों में 68 फीसदी की मौत की वजह कुपोषण है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

पहले मन को भगवानमें लगाने के लिए दो चीजों की आवश्यकता है। 1. अभ्यास 2. वैराग्य। अभ्यास द्वारा मन को भगवान में टिकने की तथा उनसे प्रेम करने की आदत पड़ जाती है। वैराग्य से भ्रम की निवृत्ति होकर संसार से विरक्ति और परमात्मा में अनुरक्ति उत्पन्न होती है। भक्ति का दूसरा रूप है कोई कर्म अर्थात दास भाव से पूजा रूप क्रिया जीव शाश्वत भगवान का दास है और भगवान की सेवा करना ही जीव का धर्म है। भक्ति चाहे माधुर्य भाव की हो या दास भाव की पर भगवान की किंकरता यानि शरणा गति भाव प्रत्येक दशा में आवश्यक है। भगवान के पांच रूप हैं। 1. परब्रह्म- यह रूप माया मंडल से परे है 2. व्यूह रूप- भगवान की सृष्टि तथा माया मंडल के संचालक हैं। व्यूह रूप चार हैं- शेषशायी भगवान, वासुदेव, ब्रह्मा, विष्णु और महेश। 3. विभव रूप-श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि अवतार भगवान का विभव रूप हैं। 4. अन्तर्यामी-भगवान सर्वत्र एवं सभी रूपों में वर्तमान हैं। यह रूप सूक्ष्म, व्यापक एवं घट-घटवासी हैं। 5. अर्चावतार। भगवान की पूजा सेवा के लिए प्रतिमा आदि जिन प्रतीकों में उनकी भावना की जाती है, परब्रह्म की पूजा सेवा है-श्रीनारायण भगवान की मूर्ति हृदय रूपी प्रेम सिंहासन पर विराजमान कर परमात्मा के चरणों मेंएकाकार हो जाना शाश्वत प्रेम और अनवरत ध्यान द्वारा भगवान प्रत्यक्ष के समान हो जाए ऐसा अनुभव करना। व्यूहरूप भगवान की पूजा सेवा है-गुरु एवं आचार्य चचिनचष्ट होना, शुद्ध सात्विक आहार, शुद्ध सात्विक आचरण, पवित्रता,

क्रमशः

जागरूक Selfie विद डॉटर

मीना सोनी, अजमेर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

झलक : कतार मांगने वालों की

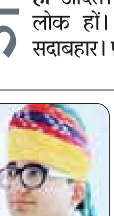

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कहीं आदत। कहीं फितरत। तोकहींजरूरत तीनों लोक हों। चारों युग हों। मांगने की वृत्ति सदाबहार। प्रजा से लेकर राजा तक। देव से लेकर दानव तक। भक्त से लेकर भगवान तक। मांगने वालों की जमात में सब कोई शुमार। ऋषि हों। नर, नारी, बालक, वृद्ध। कुछ पाने की सभी की दरकार।

'बुनकर शाहों के शाह या भिखारी होकर। मांगने चले सब कोई हंसकर या रोकर।' रोकर न मांगे शिशु तो मां दूध न पिलाए। मां-बाप हंसकर रिश्ता न मांगे तो घर में बहू न आए। दोस्ती के अपने तकाजे। पति पत्नी के अपने उलाहने। कभी लगते बेजा कभी सुहाने। मंदिर तीरथ दरगाह गुरुद्वारे। भरे हैं द्वार मांगने वालों की लम्बी कतार। कव्वालों ने गाया, 'झोलियां भर गई। सवाली कोई खाली न गया।' मगर झोली है कि भरती नहीं। सुख शांति, बेटा, पोता, नौकरी, कारोबार में इजाफा। बरसती रहे बरकत। मुरादों की फेहरिश्त बड़ी लम्बी। क्या करे भगवान।

वह भी निकल पड़ा भक्त के घर। भक्ति मांगने। नर नारी, अमीर गरीब। राजा रंक, जोगी, फकीर। कौन, जिसे मांगने से हो परहेज।

विनय से, अकड़ से। हठ से कपट से। मांगने के तौर तरीकों की कमी नहीं। पर्व त्यौहार ईद। मांगने वालों के लिए मुफीद। फन कहो या हुनर। मांगने वाले बहुत चतुर। दिखते जो लाचार। असल में वे सुपरस्टार।

मांगने वालों ने रचा इतिहास। देखें जरा पौराणिक ठाट। सत्यवादी हरिश्चन्द्र से विश्वामित्र ने मांग लिया सपने में ही राजपाट। राजा बलि से तीन पग जमीं मांगने को निकले वामन रूप विष्णु। यज्ञ रक्षा हेतु विश्वामित्र ने दशरथ से राम को ही मांग लिया।

'भिक्षाम् देहि' की टेर लगाकर रावण ने संन्यासी वेश में सीता को हर लिया। उधर अपने बकाया दो वचनों को मांग, कैकयी ने अयोध्या कांड रच लिया। कारागार में शाहजहां ने मांगा पानी। औरंगजेब ने नहीं दिया।

पांडवों के दूत बन दुर्योधन से पांच गांव मांगने चले आए कृष्ण। महासंग्राम की पूर्व संध्या कृष्ण के पास सहयोग मांगने दुर्योधन अर्जुन दोनों चले आए। दुर्योधन ने मांगी नारायणी सेना। अर्जुन को मिले कृष्ण, जो थे पर्याप्त।

शिव के आगे किसी भामाशाह की किसने चलाई। भोलेनाथ की तो पहचान ही अवढरदानी की। मगर वे भी पहुंच गए जशोदा मैया से कुछ मांगने। चार खूंट का माल खजाना भरा है मैया मेरी झोली में। तेरे लाल का दर्शन करने आए सदाशिव गोकुल में।

अपने लिए न सही, दूसरों के लिए मांगने वालों डिजाइन भी शानदार। चुनाव हो या चेरिटी शो। चंदा मांगने वालों की बहार।

जीवन की मूलभूत सुविधा हर नागरिक की मांग। बिजली, पानी, गैस सिलेंडर, स्वच्छ नाली आदि। किंतु मिलता क्या, सिर्फ आश्वासन। जन प्रतिनिधि से उसकी गुहार।

"मासूम बनकर जो मांगा था तुमने वोट।
समझ न पड़ी वो अदा थी या दिल की खोट।।"

अब रही बात कबीर की। वो साफ-साफ 'मांगन मरन समान' की बात कह गए। मांगने से मगर चूका तो अब तक कौन?

अच्छी या बुरी मंगत किसी की थमी नहीं।
मोक्ष भी तो मांगने वालों की कमी नहीं।।

कहने वाले तो कह गए, 'बिन मांगे मोती मिले, मांगे मिले न भीख। जग से कुछ नां मांगिए, यह सतगुरु की सीख।' यह हुई सतगुरु की बात। मगर बहादुरशाह जफर का नसीब कुछ और।

'उम्र-ए-दराज मांग कर, लाये थे चार दिन।
दो आरजू में कट गए, दो इंतजार में।।
कितना है बदनसीब जफर दफन के लिए।
दो गज जमीन भी न मिली कूचा-ए-यार में।।'

तो यह झलक हिन्दुस्तान के आखरी बादशाह के नां। अस्तु।

-तुषार 'निरपेक्ष'

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

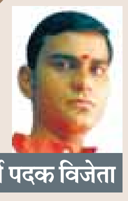

अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 19/01/2022

सूर्योदय : 07:24 **सूर्यास्त :** 17:43 **चन्द्रोदय :** 19:01 **चन्द्रास्त :** 08:26 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** पौष **पूर्णिमांत :** माघ **सूर्य राशिः** मकर **चन्द्र राशि :** कर्क **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** द्वितिया, 32:06 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **चन्द्रमास :** माघ - पूर्णिमान्त, पौष - अमान्त **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु :** शिशिर **द्रिक अयन :** उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : आश्लेषा, 32:21 तक
योगः प्रीति, 16:02 तक
प्रथम करण : तैतिल, 19:30 तक
द्वितिय करण : गारा, 32:06 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	: 05:27 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	: 05:54 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	: कोई नहीं
विजय मुहूर्त	: 02:18 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	: 05:39 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	: 05:49 पी एम से
अमृत काल	: 06:42 ए एम
निशिता मुहूर्त	: 12:05 ए एम

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : उत्तर में
होमाहुति : मंगल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 07:23 - 08:41	उद्वेग : 05:42 - 07:25
अमृत	: 08:41 - 09:58	शुभ : 07:25 - 09:07
काल काल वेला	: 09:58 - 11:15	अमृत : 09:07 - 10:50
शुभ	: 11:15 - 12:33	चार : 10:50 - 12:32
रोग वार वेला	: 12:33 - 01:50	रोग : 12:32 - 02:15
उद्वेग	: 01:50 - 03:07	काल : 02:15 - 03:58
चार	: 03:07 - 04:25	लाभ : 03:58 - 05:40
लाभ	: 04:25 - 05:42	उद्वेग : 05:40 - 07:23

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वितीया तिथि

आज कौन सा कार्य करें

द्वितीया को राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

माघ, कृष्ण, द्वितीया, 2078 बुधवार, 19 जनवरी - 25 जनवरी, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ेगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। परिवार के साथ सुखमय जीवन व्यतीत होगा। तीर्थयात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

शेयर मार्केट के कार्यों में मनोनुकूल सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। भेंट व उपहार की प्राप्ति से संतोष तथा प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

कीमती वस्तु चोरी या गुम हो सकती है, सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। मित्रों के साथ समय प्रसन्नतादायक गुजरेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। लाभ होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। पारिवारिक सहयोग समय पर मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लंबी रह सकती है व लाभदायक रहेगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

दुःखद समाचार मिल सकता है। नकारात्मकता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से ₹ोध रहेगा। विवाद न करें। आय रहेगी। थकान महसूस होगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

किसी प्रभावशाली महत्वपूर्ण व्यक्ति से मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

करियर और कारोबार में सफलता के शुभ संकेत मिलेंगे। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से सहभागिता रहेगी। सप्ताह के मध्य में व्यवसाय के संबंध में छोटी या लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

विद्यार्थी वर्ग परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफल रहेंगे। अध्ययन में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। अनदेखी नहीं करें।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार व्यवसाय से लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। आने-जाने में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होकर कार्य में गति

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय से संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। प्रयास सफल रहेंगे। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

आठवीं बोर्ड परीक्षा : शिक्षा निदेशालय ने जारी किए निर्देश

ई ग्रेड मिली तो देनी होगी सप्लीमेंट्री परीक्षा

बिना पास किए 9वीं के लिए नहीं होंगे प्रमोट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अगर इस बार आठवीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले बच्चों ने परीक्षा को गंभीरता से नहीं लिया तो उन्हें इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। परीक्षा में ई ग्रेड प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को सप्लीमेंट्री परीक्षा देनी होगी और यदि वह इसमें पास नहीं हुए तो उन्हें नवीं कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं जिसके मुताबिक इस बार 8वीं बोर्ड परीक्षा का पैटर्न बोर्ड की तरह होगा और फेल होने वाले स्टूडेंट्स को अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं स्टूडेंट्स को इस बार परीक्षा में ग्रेड भी दी जाएगी।

ऐसे मिलेगी ग्रेड

ए ग्रेड : 85 से 100
बी ग्रेड : 71 से 85
सी ग्रेड : 51 से 70
डी ग्रेड : 33 से 50
ई ग्रेड : 0 से 32 नंबर

31 जनवरी तक करना है आवेदन

गौरतलब है कि शिक्षा निदेशालय की ओर 8वीं बोर्ड यानी प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र 2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रोसेस शुरू कर दिया गया है। स्टूडेंट्स 31 जनवरी तक परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे।

पांचवीं के बाद सीधा देंगे 8वीं बोर्ड का एग्जाम

दरअसल कोविड के कारण पिछले दो साल से परीक्षाएं नहीं हुई हैं, जिन बच्चों को 5वीं बोर्ड की परीक्षा दी थी वह सीधे 8वीं बोर्ड की परीक्षा में शामिल होंगे। छठी से सातवीं और सातवीं से आठवीं में उन्हें प्रमोट कर दिया गया था। ऐसे में इस बार शिक्षा विभाग उनकी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। सब कुछ ठीक रहा तो इस बार यह बच्चे परीक्षा में शामिल होंगे। कोविड को देखते हुए प्रदेश भर में शहरी क्षेत्र के स्कूल 30 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं ऐसे में परीक्षा को लेकर संशय बन रहा है लेकिन अधिकारी बार बार परीक्षा समय पर करवाने की बात कर रहे हैं।

8वीं बोर्ड परीक्षा के आयोजन की तैयारी जारी है। हमने स्टूडेंट्स से आवेदन मांगे हैं। इस बार पहली बार परीक्षा में ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया गया है। ई ग्रेड वाले विद्यार्थी को सप्लीमेंट्री परीक्षा देनी होगी।

जेएन मीणा, डीईओ प्रारंभिक

फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी करेंगे मास्टर साहब

रीडिंग कैम्पेन में बच्चों में रीडिंग हैबिट करनी होगी विकसित

साथ ही एक्टिविटीज की फोटो और वीडियो करनी होगी शेयर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अब बच्चों को पढ़ाने के साथ उनकी वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी का काम भी सरकारी स्कूलों के शिक्षक ही करेंगे। दरअसल स्कूलों में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से शुरू किए गए रीडिंग कैम्पेन के तहत शिक्षकों को बच्चों की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित करवानी होंगी और उनके फोटो और वीडियो हर सप्ताह परिषद की ओर से दिए गए लिंक पर अपलोड भी करने होंगे।

कोविड के कारण स्कूल बंद हो चुके हैं लेकिन इसका असर रीडिंग कैम्पेन पर नहीं पड़ेगा। शिक्षकों अब यह कैम्पेन अब बच्चों के घर जाकर चलाना पढ़ेगा। टीचर स्कूल की जगह बच्चों के घर जाएंगे और उनके अभिभावकों, दादा, दादी और अन्य परिजनों की मदद से उनमें पुस्तक पढने के प्रति रुचि जागृत करने का प्रयास करेंगे।

रीडिंग कैम्पेन के तहत शिक्षकों को पहली से आठवीं तक के बच्चों के साथ शिक्षण की कार्य योजना बनानी होगी और सभी विषयों के साथ हिंदी, अंग्रेजी पढना लिखना और गणित दक्षता में सुधार पर विशेष रूप से फोकस करना होगा। स्कूलों के संस्था प्रधान शिक्षकों की ओर से बनाई गई कार्ययोजना का अवलोकन करेंगे और शिक्षकों की ओर से भरे गए प्रपत्र हर माह नोडल को जमा करवाएंगे।

तीन ग्रुप में चलेगा अभियान

100 दिनों के इस रीडिंग कैम्पेन को तीन भागों में बांटा गया है। तीन से लेकर 14 साल के बच्चों को इससे जोड़ा जाएगा। पहले भाग में बाल वाटिक से लेकर दूसरी कक्षा तक के स्टूडेंट्स, दूसरे समूह में तीसरी से पांचवीं तक के स्टूडेंट्स और तीसरे ग्रुप में छठीं से लेकर आठवीं तक के स्टूडेंट्स को शामिल किया गया है। कैम्पेन के तहत स्थानीय कहानियों का पिटारा, कहानियां, लाइब्रेरी की किताबों से बच्चों में रीडिंग हैबिट विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

इसलिए शुरू किया गया है अभियान

इस कैम्पेन का उद्देश्य बच्चों में शब्द कोष्र रचनात्मकता विकसित करने के साथ ही लिखित सामग्री के प्रति समझ विकसित करना है। विभाग का मानना है कि रीडिंग हैबिट डवलप होने से बच्चे में पढ़ाई के प्रति भी रुचि पैदा होगी और उम्र के इस पड़ाव यानी बचपन से ही वह बुक पढना पसंद करने लगे तो उनकी यह आदत ताउम्र नहीं जाएगी।

मांगीलाल बने महाराष्ट्र भगवा रक्षक दल के प्रदेशाध्यक्ष

साँचोर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा (रींगस) के निर्देशानुसार महाराष्ट्र राज्य के प्रदेशाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद पर मांगीलाल बिश्नोई को नई जिम्मेदारी दी। सियाक की संगठन में अभिरुचि एवम सक्रियता को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

जानकारी के अनुसार मांगीलाल बिश्नोई काफी लंबे समय से समाजसेवा क्षेत्र से जुड़ कर गोवंश की सेवा का काम करते हैं। कोविड 19 कोरोना काल में भी बिश्नोई ने गोवंश की खुल कर मदद का काम किया है। जिसका सांचौर क्षेत्र के अलावा पूरे जिले में जोरदार चर्चा विषय बना।और साथ में गौमाता के बायोपिक पर एक रोटी का कर्ज एवं मानव तस्करी आधारित राष्ट्रीय स्तर पर फिल्म भी बना रहे हैं। जिसमें मांगीलाल बिश्नोई फिल्म में मुख्यमंत्री की भूमिका अदा करेंगे। उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों को देख भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा भी प्रभावित हुए। उसके बाद उन्होंने मांगीलाल बिश्नोई को भगवा रक्षा दल के लिए काम करने का आह्वन किया। जिसके बाद यानी 17 जनवरी को मांगीलाल बिश्नोई को भगवा रक्षा दल का महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। जिसकी नियुक्ति पत्र शर्मा ने बिश्नोई को दी है। बिश्नोई के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने के लिए महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। बिश्नोई प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ता एवं पदों पर के रूप में कार्य कर चुके हैं।

जागरूक खबरें

प्रेस क्लब में पतंगोत्सव का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। मकर संक्रांति के अवसर पर पिंकसिटी प्रेस क्लब में कोरोना प्रोटोकॉल की पालना में पतंगोत्सव का आयोजन किया गया। प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव रामेंद्र सोलंकी ने पत्रकार परिवार के साथ पतंग उड़ाई। उन्होंने सभी पत्रकारों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। प्रेस क्लब छत पर आयोजित पतंगोत्सव कार्यक्रम में पत्रकारों ने परिवार सहित भाग लिया। इस आयोजन में रंग बिरंगी पतंगें आसमान में अपने अपने रंगों एवं आकृति से आकर्षित कर रही थी। परिजनों ने उडी उडी रे पतंग मेरी उड़ी रे, आई वो, वो काटा...........जैसे गानों की धुन पर पतंग उडाई। रंग बिरंगी पतंगों जिस पर पक्षी बचाओं, बेटी बचाओं, कोरोना बचाव, यातायात नियमों के स्लोगन से गुलाबी नगर में संदेश दिया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष एल.एल.शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य अनिता शर्मा, नमोनारायण अवस्थी, वसीम अकरम कुरेशी, पूर्व महासचिव रोशन लाल शर्मा, वरिष्ठ सदस्य बृहस्पति शर्मा, आशा पटेल, सुरेश योगी, विजय शर्मा किक्की, सुरेंद्र जैन पारस, संतोष शर्मा, सुरेश शर्मा, ब्रजभूषण शर्मा सहित अनेक पत्रकार एवं परिजन शामिल हुए।

भाजपा मालवीय नगर मंडल ने किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन

जयपुर @ जागरूक जनता। भाजपा मालवीय नगर मंडल अध्यक्ष शैलेश शाह के नेतृत्व आज कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-9 में स्थित दशहरा मैदान में मुख्यमंत्री गहलोत का पुतला दहन किया। मीडिया प्रभारी महेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि आठ दिन पूर्व अलवर में घटित मूक -बधिर नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म मामले में राज्य की कांग्रेस सरकार की संवेदनहीनता के विरोध में यह पुतला दहन किया गया था। इस दौरान ग्रेटर नगर निगम, जयपुर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट भी मौजूद रहें। उन्होने कहा कि राजस्थान की गहलोत सरकार कानून व्यवस्था व सुशासन देनें में नाकाम साबित हुई। बढ़ती दुष्कर्म की घटनाओ ने महिला सुरक्षा पर भी सरकार को सवालो के कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। अलवर में मूक बधिर बालिका सें हुई दरिंदगी ने पूरे देश को शर्मसार किया हैं। महिला उत्पीड़न में राजस्थान देश की राजधानी बन गया हैं। मंडल अध्यक्ष शैलेश शाह ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री जो राज्य के गृहमन्त्री भी हैं। उन्होने अपनी जादूगरी सें राज्य की कानून व्यवस्था और सरकार दोनों को गायब कर दिया हैं। प्रदेश मे महिलाओं के साथ ज्यादती की बढ़ती घटनाये, लूट,अपहरण, चोरी, डकैती का बढ़ता ग्राफ इसका जीता जागता उदाहरण हैं। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गाँधी जो उत्तर प्रदेश में महिलाओ की सुरक्षा पर सवाल उठाती हैं वो कांग्रेस शासित राजस्थान प्रदेश में बढ़ते दुष्कर्म के मामलों पर क्यों चुप हैं। यही कांग्रेस का दोहरा चरित्र हैं जो समाज मे वैमनस्यता फैलाने का कार्य कर रहा हैं। इस पुतला दहन के दौरान मंडल उपाध्यक्ष जयगोपाल अग्रवाल, नंदलाल शर्मा, सुनील बड़जात्या,महामंत्री बने सिंह, घनश्याम भार्गव जोरावर सिंह राजपुरोहित, मन्त्री नीरजा सक्सेना, नरेन्द्र गुप्ता,गिरवर सिंह पार्षद जयश्री गर्ग, गोविंद छीपा, वार्ड संयोजक राधेश्याम शर्मा, भूपेन्द्र सिंह चौहान, धनराज सिंह सिसोदिया, गंगासहाय प्रजापत,विनोद सुलानिया , सोशल मीडिया प्रभारी मोहित मित्रा, मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष दिनेश गौड़ सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्त्ता मौजूद रहें।

रक्तदान एवं नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर

51 यूनिट रक्त एकत्रित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना की पिछली दो लहरों के दौरान ब्लड बैंकों में खून की कमी एवं हाल ही में बढ़ रहे कोरोना के मामलों को मद्देनजर रखते हुए गायत्री सप्त क्रान्ति ट्रस्ट, जयपुर द्वारा गायत्री कुंज, आर्यनगर, मुरलीपुरा में 19वें विशाल रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ एसएमएस अस्पताल ब्लड बैंक टीम के प्रभारी डॉ. विकास ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। रक्तदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। विषम परिस्थितियों के बाद भी शिविर में 51 रक्तदाताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैलाश चौधरी (निदेशक-प्रिन्स ग्रुप) उपस्थित रहे। पार्षद दीपमाला शैलेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा, संतोष कैलाश अग्रवाल, रश्मि राजेन्द्र सैनी, रणवीर सिंह राजावत एवं कृष्णा महेश शर्मा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विजय शर्मा (अध्यक्ष, मुरलीपुरा मण्डल भाजपा), कैलाश जांगिड़ (अध्यक्ष, जांगिड़ समाज, मुरलीपुरा), कल्याण सहाय सैनी (अध्यक्ष, सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र एसोसिएशन), पुरूषोत्तम जांगिड़ (कोषाध्यक्ष, सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र एसोसिएशन), महेन्द्र गहलोत (कराते चीफ) एवं लोकचंद हरिरामनी (अध्यक्ष, पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान, मुरलीपुरा) मौजूद रहे।रक्तदाताओं को भेंट स्वरूप प्रशस्ति पत्र, सत्साहित्य, नव वर्ष के गौमाता के कैलेण्डर, मैडल एवं गौ-संवर्द्धन के उद्देश्य से Coin-bo& दिया गया। अतिथियों का माल्यार्पण, गायत्री मंत्र चादर एवं सत्साहित्य भेंट कर स्वागत किया गया। शिविर में एलोपैथी के डॉ. हिमांशु अग्रवाल, होम्योपैथी के डॉ. मुकुल शर्मा एवं एक्यूप्रेशर के महेश बाजिया ने सेवाएँ दी।

नगरपालिका चौमूं में "एक साल बेमिसाल" समारोह आयोजित हुआ

2 करोड़ से संवरेगा चौमूं स्टेडियम

नगरपालिका में कांग्रेस बोर्ड को 1 साल पूर्ण होने पर चेयरमैन सैनी ने 30 करोड़ के विकास कार्यों की दी जानकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। शहर के बस स्टैंड पर स्थित नगरपालिका परिसर में नगरपालिका में कांग्रेस बोर्ड के एक साल का कार्यकाल पूर्ण होने पर एक साल बेमिसाल के नाम से समारोह आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि खेल व युवा मामले मंत्री अशोक चांदना व पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने मंत्री चांदना का माला व साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। चेयरमैन व पार्षदों के द्वारा अतिथियों का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया। खेल मंत्री अशोक चांदना ने चेयरमैन की कार्यशैली की तारीफ की और कहां कि 1 वर्ष में करोड़ों रुपए का विकास कार्य करवाकर नगरपालिका चौमूं की जनता को सौगात दी है, अगर इसी रफ्तार से अगले 5 साल तक विकास कार्यो होता रहेंगे तो क्षेत्र की जनता हमेशा याद रखेगी। चेयरमैन सैनी की मांग पर खेल मंत्री ने रींगस रोड स्थित खेल स्टेडियम के विकास के लिए 2 करोड रुपए देने की घोषणा की। चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने अपने 1 साल के कार्यकाल में 30 करोड़ के विकास कार्य के बारे में बताया। 'एक साल बेमिसाल' समारोह के मौके पर खेल मंत्री, पूर्व विधायक सैनी व चेयरमैन द्वारा नगरपालिका के लोगो को लांच किया गया। कार्यक्रम में 100 वर्ष से अधिक बुजुर्ग लोगों का मंत्री चांदना, पूर्व विधायक सैनी व चेयरमैन द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर रक्तदान शिविर व काव्य उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कवि गजेंद्र सिंह कविया, डॉ. संतोष कुमार चारण, कल्याण सिंह शेखावत, संतोष संत, एस डी आहत, प्रहलाद जाहोता व दीपा सैनी द्वारा अपनी कविताओं से समा बांधा। चेयरमैन द्वारा पार्षदगणों व नगरपालिका कर्मचारियों का सम्मान किया। इस मौके पर नगर निगम पार्षद राजेश गुर्जर, जिला पार्षद पवन कुमार वर्मा, युवा नेता रामकिशोर सैनी, पार्षद अर्जुन लाल सैनी, आशीष यादव, हनुमान नटवाडिया, एडवोकेट धीरेंद्र सैनी, फिरोज नागोरी, राजेंद्र इंदौरा, कमल भातरा, रमेश चंद्र सैनी, अनिल कुमार सैनी, ममता कुमावत, रजनी सैनी, शंकरलाल जांगिड़, संतोष गुलिया, ओम प्रकाश यादव, महेश कुमार नायक, आमिर खान, अशोक कुमार रच्छौया, इमामुद्दीन कुरेशी, शायर सिंह तंवर, मुकेश कुमार पांच्या, प्रहलाद गुलिया, राकेश कुमावत सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया सद्बुद्धि महायज्ञ

चौमूं @ जागरूक जनता। नगर पालिका चोमू में कांग्रेस द्वारा 1 साल बेमिसाल कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को सद्बुद्धि दे भगवान इसके लिए कागलिया वाले हनुमान जी के मंदिर में सद्बुद्धि दे महायज्ञ का आयोजन किया कांग्रेश का 1 साल बेमिसाल पूरी तरह से असफल रहा है कांग्रेश बेशर्म हो के 1 साल बेमिसाल उत्सव किस आधार पर मना रही है जनवरी के महीने में भी चोमू की जनता पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रही है पूरे 1 साल नगर पालिका में काफी टेंडर हुए जिनमें भ्रष्टाचार की बू आती है आगे पकड़े जाने के डर से अचानक इन लोगों ने किए हुए टेंडरों को निरस्त करवाया बिजली की लाइटों में करोड़ों रुपए का घोटाला किया अचानक टेंडर निरस्त किए कांग्रेस सरकार द्वारा जो प्रशासन शहरों के संग अभियान चलाया गया था वह पूरी तरह से असफल रहा केवल इन लोगों ने चोमू में 1 साल के अंदर जगह-जगह पानी की पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया और जनता के पैसे को बर्बाद किया बिछाई गई पानी की लाइनों को आज तक इन्होंने जोड़ा नहीं किया पानी की लाइनें अभी तक खाली पड़ी हुई है पानी कहीं से भी लाने का 1% भी प्रयास नहीं किया भारतीय जनता पार्टी के विधायक श्री रामलाल जी शर्मा द्वारा बलेखन और गुवार्डी से जो पानी की व्यवस्था की गई थी उस पानी को ही पूरे 1 साल में अभी तक चोमू की जनता पी रही है आगे आने वाले समय में चोमू की जनता इनको बता देगी कि आपने जनता के साथ कितना धोखा किया है इस इस महायज्ञ के आयोजन से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता कांग्रेश के द्वारा किए जा रहे हैं 1 साल बेमिसाल कार्यक्रम को सिरे से नकारते हैं।

ANCHOR **कोरोना से मुक्ति को लेकर कर रहे मेडिटेशन**

विश्व के 140 देशों के लोग घरों से कर रहे ऑनलाइन मेडिटेशन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

माउंट आबू। आबू रोड में मंगलवार को कोरोना महामारी से मुक्ति के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान के भारत सहित विश्व के सभी केन्द्रों और दुनिया भर में फैले संस्थान से जुड़े लोगों ने अपने-अपने स्थानों पर बैठकर ध्यान साधना कर रहे हैं। तीन दिन से चल रही साधना मंगलवार रात 10 बजे समाप्त होगी। वहीं संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में सैकड़ों लोग साधना में जुटे हुए है। संस्थान से जुड़े लोग परमपिता शिव परमात्मा से राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से शक्तियां और वरदान लेकर सूक्ष्म रूप में प्रकृति के पांचों तत्वों के शुद्धिकरण का संकल्प देते हैं। साथ ही यह कामना कर है कि जल्द से जल्द इस महामारी से विश्व को मुक्ति मिल जाए। इस दौरान कोरोना गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। ब्रह्माकुमारी में जनवरी महीने को विशेष योग-साधना का महीना होता है। इस माह में विश्वभर के ब्रह्माकुमारी भाई-बहन अपनी आत्मिक उन्नति के लिए विशेष साधना करते है। कई भाई-बहन मौन रहने का अभ्यास करते हैं। इसके लिए पूरे विश्व में साधना करने वाले लोगों को पूरे दिन रात की दिनचर्या भेजी गई है। हर कोई अपने अपने स्थान से पूरे विश्व को इस महामारी से बचने के लिए संस्थान की बड़ी पहल की गई है। इस पहल से लोगों में आंतरिक शक्ति आएगी।

विश्व शांति दिवस के रूप में मनाएंगे पुण्य स्मृति दिवस

हर साल की तरह इस साल भी पिताश्री प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 53वां पुण्य स्मृति दिवस 18 जनवरी को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया जाएगा। माउंट आबू स्थित पांडव भवन में कोरोना को ध्यान में रखते हुए संस्थान से जुड़े चंद वरिष्ठ भाई-बहनों की मौजूदगी में बाबा को पुष्पांजली अर्पित की जाएगी। शांतिवन से भी भाई-बहनों को पांडव भवन जाने की मनाही की गई है, ताकि पांडव भवन में भीड़ न जुट सके। इस महामारी में ब्रह्माकुमारीका संस्थान पूरी तरह से सरकार के साथ खड़ा है।

जागरूक खबरें

बागड़ा समाज का सदस्यता अभियान का कार्य चल रहा है जोर शोर से

जयपुर @ जागरूक जनता। गांव सबलपुरा मैं बागडा समाज के कार्यकर्ता कन्हैया लाल बागड़ा के नेतृत्व में समाज के आगामी चुनावो को देखते हुए समाज के दर्जन भर लोगों ने सदस्यता ग्रहण की और गांव के वरिष्ठ जन सुणीलाल बागडा ने सामाजिक मुद्दो पर चर्चा की इस अवसर पर तेजकरण बागडा, मालीराम बागडा, हनुमान सहाय सोरठिया, गंगाराम सोरठिया, रामपाल बागडा, कैलाश सीमावत, रमेश जी किशनपुरा, जयप्रकाश बागडा सबलपुरा, दिनेश कुमार बागडा उपस्थित रहे। सदस्यता ग्रहण के बाद समाज के लोगों में जोश ओर उतसाह देखने को मिला।

जरूरतमंद्रों को किया कम्बल वितरित

जयपुर @ जागरूक जनता। बृजवाशी मित्र मंडल के राजस्थान प्रदेश संगठन मंत्री डॉ.संजय कुमार बैरवा ने बताया प्रदेश बृजवाशी मित्र मंडल के तत्वाधान में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कुछ जरूरतमंद लोगों के लिए कम्बल वितरण का निर्णय लेकर पिंक सिटी जयपुर चारदीवारी के अंदर सवाई मानसिंह चिकित्साल के आसपास, गोपालपुरा पुलिया, त्रिवेणी नगर पुलिया के आस पास ठंडक से ठिठुरते जरूरत बंद प्रभु जी को कम्बल वितरित किये। जिसमे अनिल धौलपुर जिला महामंत्री, राहुल राजपूत भरतपुर ज़िला गोरक्षा प्रमुख एवँ अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओ ने जरूरतमंद प्रभु जी को कम्बल उड़ाकर, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.सहदेव सिंह जादौन की उपस्थिति में सेवा कार्य मे हाथ बढ़ाया।

झोटवाड़ा में पौषबड़ा वितरण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। झोटवाड़ा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष कोरोना महामारी एवं वर्तमान में राज्य सरकार की गाइडलाइन को ध्यान में रखते आ रहें प्रतिवर्ष होते आ रहे पौषबड़ा वितरण कार्यक्रम को रद्द किया गया। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड नं 31 की कृष्णा कालोनी में अम्बेडकर युवा मित्र मंडल की ओर से पौषबड़ा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाजसेवी दिनेश जाटोलिया ने बताया है कि हर वर्ष रैगर समाज द्वारा पौष बड़े का कार्यक्रम आयोजित किये जाते आ रहे, लेकिन कोरोना महामारी के चलते दोना प्रसादी "टेक अवे" के माध्यम से पौष बड़ा का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में अम्बेडकर युवा मित्र मंडल, रैगर समाज, झोटवाड़ा के समस्त कार्यकर्ता विनोद जाटोलिया, मुकेश जाटोलिया, बनवारी जाटोलिया, चेतन प्रकाश जाटोलिया, पप्पू मालावत, सीताराम कोली, दिलीप कुमार, अजय कुमार व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भाजपा एससी मोर्चा की नवीन कार्यकारिणी घोषित

चित्तौड़गढ़। भारतीय जनता पार्टी के एससी मोर्चा नगर मण्डल अध्यक्ष सुनील रजक ने मण्डल चित्तौड़गढ़ की कार्यकारिणी की घोषणा की है।नवीन कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष अर्जुन सालवी, जसवंत आमेरिया , देवराज बेनिवाल, विष्णु बुनकर, पंकज जीनगर, अर्जुन कन्डारा, पंकज रेगर महामंत्री जीवन कोदली, किशन बैरवा, उदल धोबी, मंत्री सुरेश नायक, राहुल गांछा, रतन सालवी, देवीलाल भांभी, हेमन्त चावला, अर्जुन ढोली, लोकेश नकवाल कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार शोर्य, मीडिया प्रभारी देवराज मेघवाल, सहमीडिया प्रमुख शान्ति लाल निन्दरवाल, आईटी प्रभारी राजेन्द्र खटीक कार्यालय प्रमुख रतन रेगर सह कार्यालय प्रमुख दीपक गोवली प्रवक्ता पंकज खटीक मन की बात प्रभारी विशाल रजक को नियुक्त किया हैं।

श्री राधे रानी महिला समिति ने स्कूल में बाटे स्वेटर

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर सेक्टर 6 की सामाजिक संस्था श्री राधे रानी महिला सेवा समिति हमेशा गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता में अग्रणी भूमिका निभाती रही है। समिति की सुमन थलिया ने बताया कि जेपी कॉलोनी स्थित सरकारी स्कूल में जरूरतमंद बच्चों को इस कड़ाके की सर्दी से बचाव के लिए गर्म स्वेटर बांटे गए। कार्यक्रम में सुमन थलिया के साथ गीता अग्रवाल, नेहा जशलानी, मंजू मोदी एवं निर्मला शर्मा सहित अन्य गणमान्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। गरम स्वेटर मिलने के बाद बच्चों ने खुशी का इजहार किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया लोहड़ी पर्व

जयपुर @ जागरूक जनता। मुहाना मंडी रोड स्थित कनक विहार में स्काई सेंडो सोसाइटी के सदस्यों ने लोहड़ी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर प्रहलाद कुमार ढींगरा ने लोहड़ी त्यौहार के बारे में जानकारी दी। इसके उपरांत उपस्थित सदस्यों ने लोहड़ी की पूजा अर्चना की। महिला एवं बच्चों ने परंपरागत वेशभूषा पहनकर लोहड़ी के पर्व को उत्साह से मनाया। इस अवसर पर पॉपकॉर्न, मूंगफली एवं रेवड़ी खाते हुए नृत्य और गायन किया। अंत में सब ने एक दूसरे को लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दी।

चंबल के पानी को चित्तौड़ लाने वाला प्रोजेक्ट

जाड़ावत ने सीएम आवास पहुंच दिया धन्यवाद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत ने मुख्यमंत्री आवास पर चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र में चम्बल नदी से चित्तौड़गढ़ वासियों को पेयजल उपलब्ध करवाने की योजना के लिए 2235 करोड़ रुपये स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीएचडी मंत्री महेश जोशी के निवास पहुंचकर व सीएससी सुधांशु पंत व मुख्य अभियन्ता दिलीप गौड़ से मिल कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

साथ ही पूर्व उन्होंने मुख्यमंत्री आवास पर आगामी बजट में कृषि व आम बजट के लिए बहुत महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा से मुलाकात कर चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए निम्नलिखित सुझावों को आगामी बजट मे शामिल करने का आग्रह किया। जिसमें आईटीआई विजयपुर खोलने मे, बस्सी मे महाविद्यालय, सावा मे उपतहसील खोलने, घोसुण्डा मे पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने, भदेसर मे सीआई सर्किल व उदपुरा मे प्राथमिक उपस्वास्थ्य केन्द्र खोलने का सुझाव दिया। साथ ही पूर्व विधायक सुरेन्द्रसिंह जाडावत ने प्रमुख शासन सचिव , चिकित्सा शिक्षा वैभव गेलेरिया से मुलाकात कर मेडिकल कॉलेज की शुरूआत के लिए बात की जिस पर उन्होंने कहा कि प्रथम बेच सितम्बर 2022 से प्रारम्भ कर दिया जाएगा, साथ ही पूर्व विधायक जाड़ावत ने हाल ही में प्रस्तावित बी.एससी. नर्सिंग को एम.एससी. नर्सिंग करने का आग्रह किया। जिसे तुरन्त हरि झंडी दे दी गयी।

इसके साथ ही कुछ दिन पूर्व चित्तौड़गढ़ में मार्बल उद्यमियों ने पूर्व विधायक से मुलाकात कर कहा कि नई मशीन लगाने व एक्सपेन्सेज करने पर 10 करोड़ रुपये के लोन के ब्याज पर सब्सिडी मिल रही थी , उसको एक करोड तक के लोन पर कर दिया गया। अधिसूचना जारी होने से पूर्व स्थापित नये व एक्सपेन्सेज उद्योगों पर 10 करोड़ रूपये के ऋ्ष्ा तक ब्याज पर सब्सिडी दिलाने का आग्रह किया था। जिस पर पूर्व विधायक ने सोमवार जयपुर में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा से मुलाकात कर चर्चा की। जिस पर उन्होंने कहा कि मार्बल उद्यमियों का एक प्रतिनिधी मण्डल को आप जयपुर भेज उनसे विचार विमर्श कर उनके सुझावों को आगामी बजट मे शामिल करने का आश्वासन दिया।

शहर कांग्रेस प्रवक्ता राजेश सोनी ने बताया कि आगामी 19 जनवरी से एआईसीसी सदस्य व पूर्व विधायक सुरेन्द्रसिंह जाड़ावत उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावो मे बतौर पर्यवेक्षक के रूप मे हापुड़ रवाना हो जाएंगे।

कोरोना मुक्ति के लिए 10 लाख लोग योग साधना में जुटे

आचार्य हस्ती का तप त्याग के साथ मनाया 112वाँ जन्मदिवस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। रत्न संघ के अष्टम् पट्टधर आचार्य प्रवर 1008 श्री हीराचंद्र महाराज आदि ठाणा के सानिध्य मे आचार्य हस्ती का 112 वा जन्म दिवस तप त्याग के साथ मनाया गया। प्रवचन को संबोधित करते हुए भावी

आचार्य श्री महेन्द्र मुनि, यशवंत मुनि, अशोक मुनि, गुणवंत मुनि एवं महासती श्री सुशीला कंवर, चेतन्य प्रभा, सिद्धी प्रभा, पूनम आदि ने गुरु हस्ती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु हस्ती का संयम जीवन सर्वश्रेष्ठ था इसलिए उन्हें चारित्र चुडामणि कहा जाता है, बाल वय मे संयम जीवन मे होने से अखंड बाल ब्रह्माचारी भी कहा जाता है। उनका जीवन सादगी पूर्ण रहा। गुरु हस्ती का जन्म नयनों का आनंद केंद्र था, उनका जीवन खुशियो से भरा हुआ था। बिना बिल लिए काबिल बनाने वाले गुरु हस्ती थे, बिना टैक्स लिए रिलेक्स करने वाले गुरु हस्ती थे, गुरु हस्ती के जीवन में परिग्रह की पकड नहीं और आग्रह की अक्कड नहीं थी। गुरु हस्ती आत्मा की असीम शक्ति पर विश्वास रखते थे, समय के प्रति सजग थे, अल्पभासि थे, मोनप्रिय साधक थे, आभामंडल का झरना बहुत प्रभावशाली था। गुरु हस्ती ने अनेक गांवों के मन मुटाव को मिटाया। वो क्षमावान थे। माँ रुपा के नंदन हैं केवल कुल के चंदन हैं एसे गुरु हस्ती को वंदन है। गुरु हस्ती साधना के बेजोड़ संगम है। गुरु हस्ती निरहंकारी थे। न जन्म की महिमा है न मरण की महिमा है महिमा तो संयम सरिता की है।

गुरु हस्ती का जीवन उदारता वाला था। व्यक्ती वर्तमान के अंदर जो सुनता है, देखता है, अनुभव करता है वो भविश्य मे स्मृति बन जाता है। कुछ क्षण एसे होते हैं जो यादगार बन जाते हैं। गुरुदेव के जीवन की स्मृति, प्रेरणा, स्नेह, यादे, वात्सल्य, उपकार आदि भुला नहीं पाएंगे। प्रचार-प्रसार मंत्री सचिन मुथा ने बताया कि युवक संघ के सदस्यों द्वारा गायों को 21 पेठी गुड़ खिलाकर सेवा कार्य किया गया ओर इस दौरान अक्षय जैन,हर्ष भंडारी, हितेश जैन, जितेंद्र कोठारी,बुधमल बोहरा, कार्तिक बोहरा, दीपक भंडारी, निर्मल चोर्डिया, रोनक, भूपेन्द्र सोनी आदि उपस्थित रहे। गुरु हस्ती पथ प्रदर्शक थे। उनका जीवन दर्पण के समान है। गुरुदेव के जीवन में सेवा का गुण समाया हुआ है। वो स्वयं साधना में रहने वाले थे और दूसरों को भी प्रेरणा देते थे। गुरुदेव के मंगल पाठ के पश्चात कार्यक्रम समाप्त हुआ।

आसमान से गिरे आग के गोले खोज रहा इसरो

वैज्ञानिक बोले- 40 किलोमीटर एरिया में गिरे हैं उल्का पिंड, 15 गांवों में चलेगा सर्च ऑपरेशन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नागौर। 15 दिन पहले हुई खगोलीय घटना को लेकर रिसर्च शुरू हो गया है। देशभर के वैज्ञानिक जांच में जुट गए हैं। अब इस रिसर्च को लेकर ढ्रुस्त्रह्व की फिजिकल रिसर्च लैब की टीम ने भी काम शुरू कर दिया है। नागौर के बड़ायली स्थित एक होटल के CCTV में पूरी घटना कैद हुई है। इसे देखकर वैज्ञानिकों की टीम ने संभावना जताई है कि वहां से उत्तर दिशा में 40 किलोमीटर के क्षेत्र में उल्का पिंड गिरा है। इसके पार्टिकल्स खोजने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इसके लिए टीम आस-पास से भी फुटेज जुटाने के साथ इस पूरे एरिया को ट्रैक कर रही है। इसरो साइंटिस्ट नरेंद्र भंडारी की टीम में काम करने वाले रिसर्चर प्रतीक तिवाड़ी ने बताया कि इस घटना के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद उन्होंने अपने सभी टीम साइंटिस्ट और सीनियर को फुटेज भेजा। वो लगातार इस खगोलीय घटना को लेकर पड़ताल में जुटे हैं। अब आगे कि रिसर्च के लिए पार्टिकल्स खोजना बेहद जरूरी है। साइंटिस्ट इसके लिए नागौर विजिट का प्लान भी बना रहे हैं।

इन 15 गांवों के एरिया को करेंगे ट्रैक

रिसर्चर प्रतीक तिवाड़ी ने बताया कि नागौर के ढावा, जारोड़ा कलां, मेड़ता रोड, लाई, मेड़ता सिटी, खेडूली, पांडु खां, कलरू, जालसू नानक, सरसंडा, ईड़वा, सुंदरी, पालियास, बग्गड़ और जलवाना गांवों के एरिया को ट्रैक किया जाएगा। यहां सर्च ऑपरेशन के माध्यम से इनके पार्टिकल्स के बारे में पता लगाया जाएगा। टीम इन गांवों से कुछ फुटेज भी तलाशने में जुटी है। टीम 3 जनवरी की रात 1 बजे के बाद वाले सीसीटीवी फुटेज भी तलाश कर रही है।

राजस्थान में अब तक 21 उल्का पिंड गिर चुके

राजस्थान में अब तक 21 उल्का पिंड गिर चुके हैं। । 2000 के बाद, 6 अलग-अलग प्रकार के उल्का पिंडों की पहचान की गई। उन्हें आधिकारिक नाम दिए गए हैं। उल्का पिंडों को उनके गिरने या खोजे जाने के स्थान के अनुसार नाम दिए गए हैं।

उल्का पिंडों के ये हैं नाम

इटावा भोपजी (2000), अरारकी (2001), भवाद (2002), कावरपुरा (2006), मुकुंदपुरा (2017), सांचौर (2020, वर्तमान में वर्गीकरण के तहत) इसरो की फिजिकल रिसर्च लैब के स्पेस साइंटिस्ट डॉक्टर नरेंद्र भंडारी ने बताया कि उल्का पिंड के पार्टिकल्स की स्टडी करने से सौर मंडल के गठन और पृथ्वी पर जीवन के विकास के रहस्य का पता करने में मदद मिल सकती है।

प्रदेश में शीत व अति शीतलहर का अलर्ट, 21 से फिर बरसात

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की ठंड का असर अभी आगे भी जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो से तीन तक प्रदेश में कोहरे के साथ शीतलहर जारी रहेगी। जिससे प्रदेश के कुछ इलाकों में शीत व अतिशीत दिन रहेंगे। इसके बाद नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रीय होने से 21 जनवरी से फिर बरसात देखने को मिल सकती है। ऐसे में तापमान जरूर बढ़ेगा, लेकिन सर्दी का असर आगे भी कम होने के आसार नहीं है। इधर, थोड़ा मौसम साफ होते ही शेखावाटी फिर प्रदेश में सबसे ठंडा इलाका हो गया। जहां सोमवार को फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री दर्ज हुआ। शीतलहर के साथ गिरे पारे से सर्दी का सितम भी बढ़ा हुआ है। जिससे बचने के लिए लोग तरह तरह के जतन कर रहे हैं।

ये कहता है मौसम विभाग

मौसम विभाग के अनुसा पहाड़ों पर बर्फबारी व कोहरे की चादर की वजह से उत्तर पश्चिम व मध्य भारत में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। जिसका असर अगले दो से तीन दिन रहेगा। जिससे राजस्थान के अलग अलग हिस्सों में शीत व अति शीत दिन रहेंगे। इसके बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रीय होगा। स्काई मेट वेदर रिपोर्ट के अनुसार 21 जनवरी को राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में एक बार फिर बारिश की गतिविधियां शुरू होने की उम्मीद है। यह 22 जनवरी तक जारी रह सकती है। बारिश की गतिविधियां राजस्थान में शुरू होंगी और पश्चिम से पूर्व की ओर पूरे देश को पार करते हुए पूर्वोत्तर भारत तक पहुंचेंगी।

शहर में घूम रहा हेलिकॉप्टर बना चर्चा का विषय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर में 2 दिनों से आसमान में उड़ रहा हेलीकॉप्टर आमजन में कौतूहल का विषय बन रहा है। सोमवार को हेलीकॉप्टर एक जालनुमा चीज लेकर उड़ता दिखाई दिया। दरसअल चित्तौड़गढ़ ज़िले में विगत दो दिनों से उड़ रहा हेलीकॉप्टर ज़िले के कुछ हिस्सों में यूरेनियम होने का पता लगाने के लिए सर्वे किया जा रहा है।

भूगोलीय सर्वे का चल रहा कार्य

जानकारी के अनुसार प्रमुख एएसआरएस ग्रुप परमाणु खनिज अन्दपण एवं अनुसंधान निदेशालय द्वारा अवगत कराया गया है, कि परमाणु ऊर्जा विभाग को एक घटक इकाई का स्वदेशी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए आवश्यक परमाणु खनिज संसाधनों को बढ़ाने के लिए सर्वेक्षण और अन्वेषण करने का अधिकार है। जिला चित्तौड़गढ़ के कुछ हिस्सों में निरंतर और अन्वेषण ने यूरेनियम संसाधनों के लिए संभावित लक्ष्य स्थापित किया गया। जिले में कई संभावित क्षेत्रों का शीघ्रता से पता लगाने की आवश्यकता है, जिसके लिए एएमसी ने चित्तौड़गढ़ जिले के कुछ हिस्सों में ग्राम ऊंचाई वाले हैजीबोन भूगोलीय सर्वे करने का प्रस्ताव किया है। गैसेस जियोटेट एयरबोर्न लिमिटेड कनाडा द्वारा एएमडी के लिए मैसर्स हिमालयन हेली सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से सर्वेक्षण किया जाएगा। अस्थाई हेलीबेस पर हेलीकॉप्टर ऑपरेटर द्वारा अग्निशमन उपकरण और सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी। ईंधन की खपत को कम करने के उद्देश्य से रिज़र्व पुलिस लाइन में हेलीबेस बनाया गया हैं। मेसर्स जियोटेक एयरबोर्न लिमिटेड और एम , एस हिमालयन हेली सर्विसेज प्राइवेंट लिमिटेड, नई दिल्ली हेलिबेस पर स्पेयर पार्टस, हेलीकॉप्टर ईंधन और सुरक्षा कर्मियों के भंडारण के लिए तंबू लगा कार्य प्रारंभ कर दिया। इस संबंध में 30 दिसम्बर से 31 मार्च - 2022 तक सर्वसर्व किया जाएगा। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, उपखण्ड मजिस्ट्रेट एवं अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग से अनुमति ले ली गयी हैं।

आसाराम की याचिका पर सुनवाई 20 को

जोधपुर @ जागरूक जनता। अपने गुरुकुल की नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न मामले में मरते दम तक कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम की सजा के खिलाफ पेश अपील पर सुनवाई नहीं हो पाई। पीड़िता के वकील ने तबीय ठीक नहीं होने के कारण समय मांगा। अब इस मामले की सुनवाई दो दिन बाद बीस जनवरी को होगी। आसाराम के अधिवक्ता ने पिछली सुनवाई के दौरान तत्कालीन डीसीपी अजय पाल लांबा की लिखित पुस्तक गनिंग फ़ॉर द गॉड मैन का हवाला देते हुए जांच प्रक्रिया पर प्रश्नचिन्ह खड़ा किया था। पिछले सुनवाई पर आसाराम की ओर से तत्कालीन पुलिस उपायुक्त पश्चिम अजय पाल लांबा की साक्ष्य रिकॉर्डिंग के लिए तलब करने का प्रार्थना पत्र पेश किया गया था। आसाराम की ओर से कहा गया कि तत्कालीन पुलिस आयुक्त जोधपुर में मामला दर्ज होने से पहले घटनास्थल का जायजा लेकर वीडियो बनाया था, इस मामले को लेकर लिखी गई किताब में उन्होंने इसका जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि इस तथ्य का परीक्षण होना आवश्यक है।

तंबाकू मुक्त विद्यालय एवं तंबाकू मुक्त महाविद्यालय जागरूकता कार्यक्रम

विद्यार्थियों को दी तंबाकू के दुष्परिणामों की जानकारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में जिले के 11 ब्लॉक राशमी, गंगरार, निंबाहेड़ा, कपासन, भोपाल सागर, भदेसर, डूंगला, चित्तौड़गढ़, बड़ी सादड़ी, बेगू, रावतभाटा क्षेत्र में निजी एवं सरकारी स्कूल तथा 11 महाविद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय एवं तंबाकू मुक्त महाविद्यालय जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया जा रहा है जिले के स्कूल एवं कॉलेजों में सोसायटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिसर में 100 गज की परिधि क्षेत्र में तमाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए ?200 के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ निबंध प्रतियोगिता तबाकू कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय मूल्यांकन प्रपत्र भी भरा जा रहा है सोसायटी द्वारा आज राजकीय माध्यमिक विद्यालय संडास, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगरार एवं एक स्थानीय निजी विद्यालय में आयोजन किया गया सश सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया क्षेत्र में सोसाइटी के प्रतिनिधि बतौर गौरव मिश्रा एवं वैभव मिश्रा उक्त कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं साथ ही कोविड-19 की जानकारी दी कार्यक्रम में दी जा रही है एवं कोविड-19 का पालन सोसायटी द्वारा कराया जा रहा है

ANCHOR **ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मिलेगी सौगात**

4 करोड़ से बनेगा स्टेडियम, 8 तरह के खेलों की होगी सुविधा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बारां। क्षेत्र के खिलाड़ियों व कस्बेवासियों की लंबे समय से चली आ रही स्टेडियम की मांग अब जल्द ही पूरी होने की आस बंधी है। कस्बे के भगवानपुरा रोड पर बाणगंगा नदी किनारे नगर पालिका ने स्टेडियम के निर्माण को लेकर काम शुरू कर दिया है। नगर पालिका अध्यक्ष कौशल किशोर सुमन ने बताया कि कस्बे सहित क्षेत्रवासियों की खेलों में हमेशा से रूचि रही है। इसी के चलते यहां के खिलाड़ियों ने जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर नाम कमाया है। गोपालन, खान व पेट्रोलियम मंत्री प्रमोद जैन भाया ने डीएमएफटी फंड से स्टेडिमय स्वीकृत किया है। इस स्टेडियम में 8 तरह के खेलों के अलग-अलग मैदान विकसित किए जाएंगे। जिनमें खिलाड़ी अभ्यास कर सकेंगे। कस्बेवासियों में खेलों के प्रति जागृति रही है। यहां कई खेल विकसित हुए हैं। अभी भी लोगों में खेलों के प्रति रूचि देखने को मिलती है। इसके बावजूद यहां अच्छा स्टेडियम नहीं होने से खिलाड़ियों को अभ्यास करने में परेशानी होती है। जल्द ही कस्बेवासियों की स्टेडियम की मांग पूरी होगी। कस्बे में करीब 4 करोड़ की लागत से स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। जिस पर खेलों से जुड़े लोगों ने खुशी जताई है।

वरदान साबित होगा स्टेडियम

टेनिस क्रिकेट बॉल संघ के जिला सचिव अब्दुल सलाम पठान ने कहा कि कई खेल एकेडमी के जरिए राज्य सरकार को कस्बे में स्टेडियम निर्माण की मांग को लेकर अवगत करवाते आए हैं, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। हमने विपरीत परिस्थितियों में खिलाड़ियों को निखारा और कस्बे सहित क्षेत्र में कई खेल प्रतिभाएं सामने आई हैं। स्टेडियम के अभाव में कई खेल प्रतिभाएं गौण हो गई हैं। स्थानीय मंत्री प्रमोद जैन भाया की ओर से निर्मित कराया जाने वाला स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए वरदान साबित होगा। बास्केटबॉल खिलाड़ी हरिओम प्रजापत ने कहा कि मांगरोल कस्बा खिलाड़ियों की कर्म भूमि एवं जन्म भूमि रहा है। स्टेडियम की सुविधाएं नहीं मिलने से यहां के खिलाड़ियों की प्रतिभाएं निखर नहीं पाती थीं। अब स्टेडियम का निर्माण होने से खेल प्रेमियों को प्रतिभाएं निखारने में मदद मिलेगी। जिससे नई खेल प्रतिभाएं सामने आएंगी। ग्रामीण स्तर के खिलाड़ियों को प्रदेश में नाम रोशन करने का अवसर मिलेगा। कस्बे में मकई खेल एकेडमियां संचालित हैं। जो खेल प्रतिभाओं को निखारनले में उत्कृष्ट प्रयास करेंगी।

पार्षद प्रमोद जैन टीटू ने बताया कि खेल मैदान के लिए बरसों से प्रयास करते आए हैं, लेकिन किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। नगर पालिका के अध्यक्ष कौशल किशोर सुमन स्वयं खिलाड़ी हैं। उन्होंने खेल प्रेमियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए स्थानीय मंत्री प्रमोद जैन भाया से स्टेडियम की स्वीकृति दिलाई। जिसके परिणाम स्वरूप यहां स्टेडियम का कार्य शुरू हो चुका है। बास्केट बॉल संघ जिलाध्यक्ष आदिल पठान ने बताया कि कस्बे में पहले बास्केट बॉल एवं वॉलीबॉल का ही मैदान था। जिससे प्रतियोगिताएं करवाने में परेशानी आती थी। पालिकाध्यक्ष सुमन एवं मंत्री भाया ने बास्केट बॉल का एक ओर मैदान का निर्माण करा दिया है। वहीं, स्टेडियम का निर्माण काम भी शुरू हो गया है। जिसमें कई खेल मैदान विकसित किए जाएंगे। इससे ना केवल खेल प्रतिभाएं निखर कर सामने आएंगी, बल्कि आमजन को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। क्योंकि यहां पर शारीरिक गतिविधियों के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं था।

बास्केटबॉल संघ अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार नागर ने बताया कि कस्बे में स्टेडियम के लिए लंबे समय से मांग की जा रही थी। युवा खिलाड़ी व पालिकाध्यक्ष ने खिलाड़ियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शपथ ग्रहण समारोह में ही खेल मैदान विकसित करने का संकल्प लिया। मंत्री प्रमोद जैन भाया ने भी उसी समय खिलाड़ियों से वादा किया कि जल्द स्टेडियम विकसित किया जाएगा। वहीं बास्केट बॉल का एक ओर मैदान विकसित होगा। जिससे तीन बास्केट बॉल मैदान हो जाएंगे और प्रतियोगिताओं का आयोजन कराने में आसानी होगी।

पार्षद रफीक बाड़ी ने बताया कि खिलाड़ियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कस्बे में स्टेडियम निर्माण को लेकर जो उदारता दिखाई है उसका सामूहिक रूप से स्वागत करते हैं। निश्चित रूप से यह स्टेडियम कस्बेवासियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध होगा। यहां की प्रतिभाएं निखरकर सामने आएंगी।

जागरूक खबरें

प्रतिभा सम्मान बच्चों को बनाता है उर्जावान - प्रधानाचार्य बिश्नोई

सांचौर @ जागरूक जनता। उपखंड के निकटवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दांता के तत्वाधान में शनिवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सर्वोदय विचार परीक्षा में स्थानीय विद्यालय के छात्र वंने सिंह ने जिले भर में प्रथम स्थान एवं छात्रा आशा विश्नोई ने सातवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित गांव को महान को उपलब्धि हासिल करवाई। इस उपलक्ष पर दोनों प्रतिभा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। दोनों प्रतिभाओं का विद्यालय परिवार द्वारा साफा एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य रघुनाथ बिश्नोई ने कहा कि शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। कार्यक्रम के संचालन करते हुए वरिष्ठ अध्यापक रतिराम यादव ने कहा के प्रतिभाओं के सम्मान से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसलिए नई प्रतिभाओं को दिशा निर्देश देने के साथ-साथ संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना आवश्यक है। इसके कुछ दिन पूर्व नेशनल-मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप योजना के तहत ओमप्रकाश विश्नोई का चयन हुआ था। जिसके तहत छात्र ओम प्रकाश को योजना के तहत कक्षा 9 से 12 सालाना 12000 रुपये की स्कॉलरशिप मिलेगी। इस मौके पर व्याख्याता इंदु बिश्नोई, नरसी लाल सोनी, वरिष्ठ अध्यापक मनोहर लाल,नारायण लाल, मोहनलाल, जयकिशन, भोमाराम देवासी ,थानाराम गुलसर समेत विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

सर्वोदय विचार परीक्षा में दांता विद्यालय का वंने सिंह जिले में प्रथम व आशा सातवें स्थान पर

ठेलीया के संस्कृत विद्यालय में 15 वर्ष से ऊपर के बच्चों का हुआ टीकाकरण

चितलवाना @ जागरूक जनता। कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए उपखंड क्षेत्र के राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय ठेलीया में 15 वर्ष से ऊपर के बच्चों का कोरोना टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में राज्य सरकार के निर्देशानुसर 15 वर्ष से ऊपर के सभी विद्यार्थियों का शत प्रतिशत टीकाकरण किया गया। प्रधानाध्यापक बाबूलाल ढाका ने बताया कि टीकाकरण शिविर में 15 वर्ष से ऊपर सभी छात्र व छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया व सभी ने बड़े उत्साह के साथ टीकाकरण करवाया। शिविर में टीकाकरण का कार्य ए.एन.एम धोली देवी व द्रोपदी विश्नोई ने किया। इस दोरान टीकाकरण के समय विद्यालय स्टाफ वरिष्ठ अध्यापक सुरेश जीनगर, संजय विश्नोई, शैतान विश्नोई, अध्यापक गणपत राम परमार, शैतान विश्नोई, धारासिंह यादव व कनिष्ठ सहायक नरेश खिलेरी आदि ने टीकाकरण में सहयोग प्रदान कर शिविर को सफल बनाया।

आमदरी व रैन बसेरे में बांटे ऊनी वस्त्र

उदयपुर @ जागरूक जनता । पिछले कुछ दिनों से सर्द हवाओं के साथ बढ़ती ठिठुरन को देखते हुए नारायण सेवा संस्थान ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में ऊनी वस्त्र, कम्बल के वितरण का व्यापक अभियान शुरू किया है। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने सोमवार को गिर्वा तहसील के आदिवासी बहुल गांव आमदरी में 120 कम्बल, 80 टोपे व 90 स्वेटर का वितरण किया। पोषाहार के रूप में उच्च गुणवत्तायुक्त बिस्किट के पैकेट भी दिए गए। इससे पूर्व सेक्टर 3,4,5,6,11, रेल्वे स्टेशन व कच्ची बस्तियों में बड़ी संख्या में ऊनी वस्त्र व कम्बलों का वितरण किया गया। प्रताप नगर स्थित रैन बसेरा में रात्रि विश्राम करने वाले 100 से अधिक दिहाड़ी मजदूरों को भी कम्बल, मफलर,चप्पल, मौजे व टोपे का वितरण हुआ। संस्थान अध्यक्ष ने बताया कि सर्दी के तीखे तेवर के चलते संस्थान का यह अभियान नियमित रहेगा। 'सुकुन भरी सर्दी' अभियान के दौरान संस्थान के मीडिया प्रकोष्ठ के भगवान प्रसाद गौड़, जसबीर सिंह, दिलीप सिंह, अनिल पालीवाल व रौनक माली भी मौजूद थे।

बिश्नोई संयोजक व राठौड़ व्यास बने सह संयोजक

जोधपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश भाजपा ने संगठन को मजबूत करने की कवायद के तहत राज्य में सोशल मीडिया विभाग का पुनर्गठन करते हुए सोशल मीडिया विभाग के संयोजक व सह संयोजको की नियुक्तियां की है। राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पुनिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के निर्देशानुसार एव जिला अध्यक्ष मनोहर पालीवाल की सहमति से भाजपा सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक डॉ जोगेंद्रसिंह सिलोर ने प्रेस विज्ञप्ति की सूची जारी करते हुए प्रदेश के सभी जिलों के संयोजक, सह संयोजको की घोषणा की। जोधपुर देहात (उत्तर) जिला भारतीय जनता पार्टी के सोशल मीडिया जिला संयोजक के पद पर पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता सुनील बिश्नोई भोजासर को नियुक्त किया गया। साथ ही जिला सह संयोजक के पद पर शेरसिंह राठौड़, कविता व्यास को नियुक्ति दी। गौरतलब है कि बिश्नोई इससे पहले भी भाजपा आईटी विभाग जिला सह संयोजक, जय नारायण व्यास विवि के सचिव, एबीवीपी जोधपुर महानगर सह संयोजक सहित अन्य कई पदों पर रह चुके है। दोनों सह संयोजक भी लम्बे समय से पार्टी में सक्रिय रहे है। जोधपुर देहात जिला अध्यक्ष मनोहर पालीवाल सहित समस्त भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नव नियुक्त जिला संयोजक सुनील भोजासर एवं सह संयोजक शेरसिंह राठौड़ व कविता व्यास को बधाई दी एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी व केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों व कार्यो को आम जनता के मध्य ले जाने हेतु निरन्तर कार्य करने की शुभकामनाये दी एवं खुशी जताते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया।

नई गाइडलाइन

शिक्षकों को अब फरवरी तक पूरा करना होगा बच्चों का कोर्स

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। कोरोना की तीसरी लहर में बदले हालातों को देखते हुए शिक्षा विभाग ने अब सरकारी स्कूलों में फरवरी तक पाठ्यक्रम पूरा कराने की तैयारी कर ली है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक कानाराम ने शिक्षा अधिकारियों की वर्चुअल मीटिंग ली। इसमें ऑनलाइन या ऑफलाइन शिक्षण के जरिए हर स्थिति में फरवरी तक बच्चों का पाठ्यक्रम पूरा कराने के निर्देश दिए। निदेशक ने वीसी में माना कि कोरोना के कारण शहरी क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षण कार्य काफी बाधित हुआ है। कुछ स्कूलों में शिक्षकों के पद रिक्त रहने के कारण भी पढाई बाधित हुई है। दोनों ही स्थितियों में ऑनलाइन शिक्षण के जरिए कोर्स पूरा कराया जाए। निदेशक ने आगामी तीन माह की कार्य योजना भी शिक्षा अधिकारियों के साथ साझा की। साथ ही अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के बकाया आवेदनों का तुरंत सत्यापन करने के निर्देश दिए। निदेशक में शिक्षा अधिकारियों को समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। वीसी में आरटीई, महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों संबंधित समीक्षा भी की गई।

बनेगा एक जैसा प्लान

कोरोना संक्रमण के चलते बाधित हुई पढ़ाई को पूरा करने के लिए शिक्षा विभाग प्लान तैयार कर रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक ने बताया कि प्रदेशभर में अब अगले तीन माह की पढ़ाई का रोड मेप बनेगा। इसी आधार पर राज्य के सभी स्कूलों में पढ़ाई होगी।

होगी एक जैसी पढ़ाई

नई नीति के अनुसार अगर किसी एक स्कूल की कक्षा एक में हिन्दी में पांचवां चेप्टर पढ़ाया जा रहा है तो फिर पूरे राजस्थान में वो ही चेप्टर करवाया जाएगा ताकि ई कक्षा पर समान पढ़ाई हो सके। इसके अलावा बच्चों को गृहकार्य भी दिया जाएगा।

घर तक पहुंचेंगे शिक्षक

आओ घर में सीखे अभियान के तहत एक बार फिर शिक्षकों को बच्चों के घर तक पहुंचना होगा। पूर्व शिक्षा मंत्री गोविन्द डोटासरा ने शिक्षकों को बच्चों के घर तक भेजा था। ये नीति आगे भी जारी रहेगी। पाठ्यक्र म के अनुरूप शिक्षण को अनवरत रखने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी तक वर्क बुक पहुंचाई जाएगी।

कोरोना पीड़ित को सहायता

शिक्षा विभाग के जिन कार्मिकों का कोविड के कारण निधन हो गया है उनको सरकार की ओर से अनुग्रह राशि दी जाएगी। निदेशक ने कहा कि ऐसा कोई पेंडिंग प्रकरण जिला शिक्षा अधिकारी के पास है तो वे इसे निदेशालय भेज सकते हैं। इस तरह के आवेदन जिला कलक्टर के माध्यम से देने होंगे।

पूर्णिमा पर श्रीनाथजी को भारी श्रृंगार में सजाया

सफेद साटन के चाकदार वागा, माणक के गहने सहित कली, कस्तूरी और कमल माला पहनाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नाथद्वारा। पौष शुक्ल पूर्णिमा को श्रीनाथजी की हवेली में बालस्वरुपों को अनूठे श्रृंगार में सजाया गया। सफेद साटन के चाकदार वागा और जड़ाऊ कूल्हे का श्रृंगार करवाया गया। जिन तिथियों के लिए प्रभु की सेवा प्रणालिका में कोई वस्त्र, श्रृंगार निर्धारित नहीं होते है, उन तिथियों में प्रभु को ऐच्छिक वस्त्र और श्रृंगार में सजाया जाता है। साल भर में 12 पूर्णिमा होती है, जिनमें से आज के अतिरिक्त सभी 11 पूर्णिमा को नियम के श्रृंगार करवाए जाते हैं। केवल आज की पूर्णिमा का श्रृंगार ऐच्छिक होता है।

श्रृंगार झांकी में मुखिया बावा ने श्रीजी के श्रीचरणों में सफेद मोजाजी पहनाए। श्रीअंग पर सफेद साटन पर रुपहली जरी की किनारी वाला सूथन (पजामा), चाकदार वागा और चोली अंगीकार कराई गई। श्रीमस्तक पर जड़ाऊ कुल्हे पर सिरपैंच, जड़ाव के छोटा पान पर किरीट का बड़ा जड़ाव पान (खोंप) और बायीं ओर शीशफूल सुशोभित किया गया। श्रीकर्ण में मयूराकृति कुंडल पहनाए गए। मेघश्याम ठाड़े वस्त्र सजाए गए। श्रीजी को वनमाला का (चरणारविंद तक) भारी श्रृंगार करवाया गया। माणक के सभी गहने पहनाए गए। कली, कस्तूरी और कमल माला पहनाई गई। पीले और सफेद फूलों की दो मालाजी पहनाई। श्रीहस्त में भाभीजी वाले वेणुजी और दो वेत्रजी रखे गए। कंदराखंड में लाल सुरमा सितारा के कशीदे के जरदोजी काम वाली और हांशिया वाली शीतकाल की पिछवाई सजाई गई। गादी, तकिया और चरणचौकी पर सफेद बिछावट की गई।

न्युवोको प्लांट में 'स्माइल' ईएसआईसी शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड के चित्तौड़ सीमेण्ट प्लाण्ट परिसर में प्लाण्ट एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम के संयुक्त तत्वावधान में प्लाण्ट के श्रमिक बन्धुओं हेतु एकदिवसीय शिकायत निवारण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत् शुभारम्भ इकाई प्रमुख संजय कुमार त्यागी के मुख्य आतिथ्य एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम अधिकारी दिनेश मीणा के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अतिथियों द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलन कर शिविर का शुभारम्भ किया गया। यह शिविर मुख्य रूप से श्रमिक बंधुओं की समस्याओं से प्रत्यक्ष रूबरू होकर उनका तत्समय अथवा त्वरित निदान करने हेतु आयोजित किया गया जिसमें श्रमिकों ने बढ़चढ़कर भाग लिया एवं अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत करवाया। गौरतलब है कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए न्युवोको द्वारा भी गत् कुछ दिनों से कम्पनी के सभी प्लाण्टों में 'स्माइल कैम्प' आयोजित किये जा रहे हैं जिसका सभी श्रमिकगण लाभ ले रहे हैं। त्यागी ने शुभारम्भ के पश्चात् उपस्थित श्रमिकों से वार्तालाप किया एवं इस शिविर का अधिक से अधिक की संख्या में लाभ लेने हेतु अभिप्रेरित किया। उन्होंने कहा कि न्युवोको एवं चित्तौड़ सीमेण्ट प्लाण्ट अपने श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित निदान हेतु प्रतिबद्ध है एवं शासन द्वारा श्रमिकों के बीच आकर इस प्रकार के शिविर का आयोजन करना प्रशंसनीय एवं स्वागत योग्य कदम है। दिनेश मीणा ने बताया कि ज़िले में निगम का यह छठां कैम्प है जो न्युवोको के चित्तौड़ सीमेण्ट प्लाण्ट परिसर में लगाया गया है एवं निगम को इन शिविरों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। शिविर शुभारम्भ अवसर पर इकाई मानव संसाधन विभाग प्रमुख शैलेन्द्र सिंह, डॉ. दीपांकर सिंह, डॉ. आशीष मौर्य, इकाई अधिकारीगण तथा बीमा निगम की ओर से डॉ. दिनेश शर्मा, दीपक मोदी, नर्सिंग स्टाफ एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

एक दिन में ही बदले चित्तौड़गढ़ के कलेक्टर

पोसवाल होंगे चित्तौड़गढ़ कलेक्टर
पीयूष सामरिया का नागौर तबादला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कार्मिक विभाग ने एक और आदेश जारी कर चित्तौड़गढ़ जिले के नव पदस्थापित कलेक्टर पीयूष सामरिया का नागौर जिला कलेक्टर पद पर स्थानांतरण कर राजसमंद से नागौर ज़िला कलेक्टर के पद पर स्थानांतरित हुए आईएएस अरविंद पोसवाल को चित्तौड़गढ़ जिले के नए कलेक्टर के रूप में स्थानांतरित किया हैं। आपको बता दे कि रविवार देर रात्रि को कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव रविंद्र गोस्वामी ने राज्य सरकार के आदेश पर 52 आईएएस अफसरों की तबादला सूची जारी की थी। जिसमें चित्तौड़गढ़ जिले के निवर्तमान जिला कलेक्टर आईएएस ताराचंद मीणा का उदयपुर तबादला किया था। वही चित्तौड़गढ़ जिले के नए कलेक्टर के रूप में दौसा कलेक्टर पीयूष सामरिया को जिले की कमान सौंपी थी। लेकिन अगले ही दिन सोमवार को कार्मिक विभाग ने एक और आदेश जारी कर चित्तौड़गढ़ जिले को नये कलेक्टर के रूप में आईएसएस अरविंद पोसवाल को स्थानांतरित कर पीयूष सामरिया को नागौर जिला कलेक्टर के पद पर लगाया है।

52वें टाइगर रिजर्व को मिली मंजूरी

रामगढ़ सेंचुरी में फिर से गुर्राएंगे बाघ, 90 के दशक में थे 14 बाघ-बाघिन

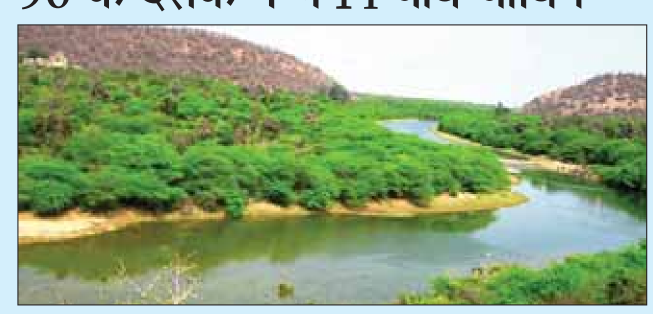

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बूंदी। रामगढ़ टाइगर रिजर्व को केंद्र से प्रदेश के चौथे और देश के 52वें टाइगर रिजर्व की मंजूरी मिल चुकी है। जनवरी के अंत तक यह नोटिफाइड हो जाएगा। इससे बूंदी में टूरिज्म को नया आसमान मिलेगा। रणथंभौर से कहीं रिच बूंदी का रामगढ़ टाइगर रिजर्व है। सवाईमाधोपुर के पास केवल टाइगर रिजर्व है, बूंदी के पास रिच हैरिटेज, 27 प्रतिशत जंगल, खूबसूरत वेटलैंड, रॉक पेंटिंग्स से लेकर मानव सभ्यता के हर कालखंड के सबूत भी मौजूद हैं। रामगढ़ प्रदेश का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व है, जिसकी रणथंभौर और मुकंदरा टाइगर रिजर्व से सीधी कनेक्टिविटी है। क्योंकि यह दोनों के बीच है। रामगढ़ कुछ दशक पहले तक बाघों का मैटरनिटी होम कहलाता था। यानी बाघों का जच्चा घर। 90 के दशक तक यहां 14 बाघ-बाघिन थे, फिर लुप्त होते गए। रामगढ़ को 20 मई 1982 में सेंचुरी और 2021 में टाइगर रिजर्व घोषित। बफर एरिया को देखें तो यह प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व बन गया है। मेज नदी जंगली जानवरों की लाइफ लाइन है।

वैक्सीन नाइट विजन

पाली प्रदेश का पहला जिला, जहां नाइट शिविर में वैक्सीन लगा दूध पिलाएंगे, गांवों में घर तक पहुंचेगा मेडिकल रथ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पाली। कोरोना को हराने के लिए शुरू हुए वैक्सीनेशन अभियान को रविवार को एक साल पूरा हो गया। अब पाली जिले में 100 फीसदी वैक्सीनेशन को लेकर चिकित्सा विभाग नवाचार करने जा रहा है। प्रदेश में पाली ऐसा पहला जिला होगा, जहां रात में भी शिविर लगाकर लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी। ये नाइट वैक्सीनेशन शिविर शाम को 5 से रात 9 बजे तक लगेगा, जिसमें दिन में काम पर जाने वाले लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी। इस दौरान उन्हें दूध भी पिलाया जाएगा। इसके अलावा गांवों व कस्बों में वैक्सीनेशन जागरूकता रथ भी चलाए जाएंगे। जिले में 13 रथ चलेंगे, जिसमें एक मेडिकल टीम भी होगी, जो हाथोंहाथ लोगों को वैक्सीन लगाएगी। यह रथ गांवों में वंचितों के घर तक पहुंचेंगे। सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि जिले में अब तक 90 फीसदी लोगों ने पहली डोज लगवा ली है। इसके साथ ही 80 फीसदी लोगों को दूसरी डोज लग चुकी है। वहीं, सिर्फ 14 दिनों में 60 फीसदी किशोरों का भी वैक्सीनेशन हो चुका है।

1. नाइट वैक्सीनेशन : दिन में ड्यूटी पर रहने वाले, फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी-मजदूर जो दिन में शिविर में जाकर वैक्सीन नहीं लगवा सकते, उनके लिए नाइट वैक्सीनेशन शिविर लगाए जाएंगे। यह शाम को 5 से रात 9 बजे तक लगेंगे।

2. वैक्सीनेशन रथ आपके द्वार : जिले के सभी ब्लॉक में वैक्सीनेशन रथ संचालित होगा। प्रत्येक वाहन में मेडिकल टीम होगी। यानी कोई भी व्यक्ति अब कहीं पर भी वैक्सीन लगवा सकेगा। पाली में 3 व प्रत्येक ब्लॉक पर एक वैक्सीनेशन रथ होगा।

3. दूध का बूस्टर डोज : नाइट वैक्सीनेशन शिविर में टीका लगवाने वाले लोगों को कढ़ाही वाला दूध पिलाया जाएगा। इसके लिए वैक्सीनेशन अनिवार्य होगा। शिविर में व्यवस्थाओं के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाएगा।

आम आदमी पार्टी चोमू के कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

चौमूं @ जागरूक जनता। आम आदमी पार्टी विधानसभा क्षेत्र चोमू के विधायक प्रत्याशी रहे एडवोकेट पवन कुमार प्रजापति ने बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की जनता की राय से भगवंत मान को पंजाब में आम आदमी पार्टी सीएम उम्मीदवार घोषित किया है। भगवत मान को पंजाब की जनता ने 22 लाख से ज्यादा लोगों ने अपनी राय दी जिसके आधार पर आम आदमी पार्टी ने सीएम उम्मीदवार घोषित किया हैजबकि पंजाब के इतिहास में आज तक कांग्रेस, अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी ऐसा कभी नहीं कर पाई अपने दल के हिसाब से नेता बना कर जनता के ऊपर सीएम घोषित किया था। आम आदमी पार्टी हमेशा जनता के हित सर्वोपरि रखती है इस अवसर पर भगवत मान को पंजाब मैं आम आदमी पार्टी सीएम उम्मीदवार घोषित करने पर चोमू के सभी कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

ANCHOR | आईजीएनपी

छह लिफ्टों के बंजर तीन लाख हैक्टेयर तक पानी पहुंचाने में केन्द्र सरकार ने बीकानेर को नकारा, प्रोजेक्ट निरस्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। इंदिरा गांधी नहर की छह लिफ्टों के 3.40 लाख हैक्टेयर बंजर भूमि तक स्प्रिंकलर के मार्फत सिंचाई मुहैया कराने के लिए केन्द्र सरकार के दो-दो मंत्री पूरी तरह फेल हो गए। जब अर्जुनराम मेघवाल जल संसाधन राज्य मंत्री थे तब प्रोजेक्ट 1600 करोड़ का मंजूर हुआ लेकिन उनके मंत्री रहते वो प्रोजेक्ट 2017 में निरस्त भी हो गया। अब जोधपुर के सांसद इसी महकमे के मंत्री हैं लेकिन स्प्रिंकलर के लिए राशि का इंतजाम नहीं हुआ। मजबूरी में अब राज्य सरकार ने नाबार्ड से 180 करोड़ रुपए उधार लेकर स्प्रिंकलर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रही है।

दरअसल 2015 में केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय जल आयोग की सहमति से आईजीएनपी की छह लिफ्टों के 3.40 लाख हैक्टेयर के लिए 1600 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट तैयार हुआ। जब प्रोजेक्ट मंजूर हुआ उससे पहले उसे रिवाइज किया गया जिसकी लागत 1885 करोड़ रुपए हो गई। केन्द्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट को मंजूर करते हुए आईजीएनपी से काम कराने के लिए कहा। नहर विभाग ने केन्द्र के भरोसे 638 करोड़ रुपए के टेंडर काम शुरू कर दिए जिसमें 319 करोड़ केन्द्र और इतने ही राज्य सरकार को देने थे लेकिन 2017 में ही केन्द्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट को सिंचित क्षेत्र विकास वाटर मैनेजमेंट स्कीम से बाहर करते हुए निरस्त कर दिया। केन्द्र ने 638 करोड़ के टेंडर के हिस्से के 319 करोड़ रुपए भी नहीं दिए। चूंकि काम शुरू हो गए थे इसलिए राज्य सरकार ने अपने हिस्से के 319 करोड़ रुपए के काम जारी रखे। इसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही में चारणवाला, पन्नालाल बारूपाल, डॉ. करणीसिंह, चौधरी कुंभाराम लिफ्ट समेत सभी छह लिफ्टों के लिए 180 करोड़ रुपए नाबार्ड से उधार लिए।

समझें...केंद्र ने कैसे मंजूर और निरस्त किया प्रोजेक्ट

2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधराराजे ने 80 करोड़ रुपए देकर स्प्रिंकलर सिस्टम का मॉडल विकसित करने के लिए कहा था ताकि अगर ये सफल हुआ तो नहर की 3.40 लाख हैक्टेयर तक स्प्रिंकलर से ही सिंचाई कराई जाए। प्रोजेक्ट सफल हुआ तो 2013 से पूरे इलाके लिए स्प्रिंकलर प्रोजेक्ट तैयार कराया गया। केन्द्रीय जल आयोग ने 2014 में तकनीकी, सैद्धांतिक सहमति दी। इस प्रोजेक्ट की लागत 1600 करोड़ आई। 2015 में केन्द्र ने इसे सिंचित क्षेत्र विकास वाटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट में लिया। इस प्रोजेक्ट में शामिल करने से पहले प्रोजेक्ट रिवाइज हुआ था जिसकी लागत 1885 करोड़ रुपए हो गई थी। इसी आधार पर काम शुरू हुआ लेकिन 2017 में केन्द्र ने आईजीएनपी का प्रोजेक्ट निरस्त कर दिया। देश के सिर्फ 90 सिंचाई प्रोजेक्ट को ही मंजूरी दी। हैरानी की बात ये कि तब इस महकमें के मंत्री अर्जुनराम मेघवाल थे लेकिन वे बीकानेर के साथ न्याय नहीं कर पाए। बाद में मेघवाल ने इसे नई सिंचाई स्कीम इसबिग में शामिल करने का भरोस दिया था लेकिन पांच सालों से प्रोजेक्ट धूल ही फांक रहा है। नतीजा बीकानेर-जैसलमेर की 3 लाख सिंचित जमीन बूंद-बूंद के लिए तरस रही है।

कहां कितने का होगा काम

चारणवाला ब्रांच में 102 करोड़ रुपए के काम होंगे। इसमें सुदृणीकरण और आधुनिकीकरण के काम प्रस्तावित हैं। पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट, डॉ करनी सिंह लिफ्ट और चौधरी कुम्भा राम आर्य लिफ्ट पर स्प्रिंकलर काम के लिए 180 करोड़ और चौधरी कुम्भा राम आर्य लिफ्ट का विस्तार कर तीन और नहरों का निर्माण 52 करोड़ रुपए करवाया जाएगा। शनिवार को नाबार्ड के चीफ कंसलटेंट इंजीनियर राकेश कुमार कौशल ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता विवेक गोयल और अधीक्षण अभियंता सुनील कटारिया के साथ 3 दिन तक फील्ड विजिट की। वर्तमान में दंतौर, धोधा, भुटोवाली, बरसलपुर, भूरासर वितरिका पर काम चल रहा है।

नाबार्ड के चीफ कंसलटेंट के नहर दौरे के दौरान हमने उनसे 180 करोड़ रुपए प्रोजेक्ट के लिए मांगे हैं क्योंकि 319 करोड़ रुपए को जो टेंडर हुए हैं वो काम पूरा करना है। उम्मीद है कुछ लिफ्टों को राशि मिलने से स्प्रिंकलर प्रोजेक्ट को बढ़ावा मिलेगा।

- विवेक गोयल, एडीशनल चीफ इंजीनियर आईजीएनपी

सपना
करें पूरा
Used Car loan available
Aarna
associate
New Car loan available
अब अपनी पुरानी गाड़ी पर
कीमत का 150%
तक लोन करवायें...
IDFC FIRST Bank
ICICI Bank Home Loans khayaal aapka
BAJAJ Bajaj FinServ Limited
MAGMA
TATA CAPITAL We only do what's right for you
HeroFinCorp.
sk FINANCE
Mahindra Finance
HDFC BANK We understand your world
*स्कीम जयपुर के लिए
authorised channel partner
Aarna associate
Call us : 9828333666
housing mortgage loan also available
शर्तें लागू